जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, शनिवार 13 सितम्बर, 2025

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

INDIA KA ASLI
SUPERFOOD

FIXED PRICE

SOURCE OF PROTEIN

RICH IN FIBER

INDIA'S HIGHEST GRADE EXPORT QUALITY INDORI DALIA

MUST TRY OUR: शरबती सुपीरियर आटा । देशी चक्की आटा । सूजी । बेसन । गेहूँ

COMING SOON: दाल । चावल । मसाले । कुकिंग ऑयल । ड्राई फ्रूट्स । चाय

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON APP

ORDER ON CALL
1800 120 2727

ORDER ON WHATSAPP

T&C Apply.

विचार बिन्दु

कर्मों की आवाज़ शब्दों से ऊंची होती है। –कहावत

जल संरक्षण हेतु सरकारी योजनाएं : राजस्थान की दिशा और देश के लिए प्रेरणा

राजस्थान सदियों से जल संकट से जूझता रहा है। विशाल थार मरुस्थल, औसतन मात्र 500 मिलीमीटर वार्षिक वर्षा, और भूजल का अनियंत्रित दोहन - ये सभी कारक मिलकर इस प्रदेश के लिए पानी को सबसे बडी चुनौती बना चुके हैं। यहां पानी केवल जीवन की आवश्यकता नहीं बल्कि अस्तित्व का सवाल है। राजस्थान की संस्कृति और परंपरा ने सदैव पानी को विशेष महत्व दिया है। इसी कारण यहाँ की वास्तुकला में बावड़ी, टांका, नाड़ी और जोहड़ जैसी जल संरचनाएँ दिखाई देती हैं। इन पारंपरिक स्त्रोतों ने सदियों तक समाज की प्यास बुझाई, लेकिन आधुनिकता और लापरवाही ने इन्हें उपेक्षित कर दिया। आज जब जल संकट विकराल रूप ले चुका है, तब केंद्र और राज्य सरकार दोनों मिलकर अनेक योजनाओं के माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में ठोस प्रयास कर रही हैं।

स्वतंत्रता के बाद राजस्थान में सबसे बड़े स्तर पर जल प्रबंधन के लिए इंदिरा गांधी नहर परियोजना लाई गई। इसने जैसलमेर, बीकानेर और जोधपुर जैसे सूखे क्षेत्रों में हरियाली और खेती को संभव बनाया। लेकिन बढ़ती आबादी और औद्योगिकीकरण के दबाव ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल नहरों या बड़े बांधों से समस्या का समाधान नहीं होगा। जल संकट से निपटने के लिए छोटे स्तर पर सामुदायिक भागीदारी से जल संरक्षण को बढ़ावा देना आवश्यक है। यही सोच राजस्थान की अनेक योजनाओं की आधारशिला बनी।

राजस्थान सरकार की सबसे महत्वपूर्ण पहल रही मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना का उद्देश्य था - हर गाँव को जल स्वावलंबी बनाना। इसके अंतर्गत तालाबों का जीर्णोद्धार, जोहड़ और बावड़ियों का पुनर्निर्माण, चेकडैम और एनिकट का निर्माण, खेत-तालाब और टांका जैसी संरचनाएँ बनाई गईं। योजना की विशेषता यह रही कि इसमें ग्राम पंचायतों और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की गई। हजारों गाँवों में इस अभियान से भूजल स्तर में सुधार हुआ और किसानों की सिंचाई की समस्या काफी हद तक हल हुई।

ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण को बढ़ावा देने में मनरेगा की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत तालाब, खेत-तालाब, टांका, नाड़ी, चेकडैम और जल निकासी नालों का विकास किया गया। इसने न केवल ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया, बल्कि जल संचयन की स्थायी संरचनाएँ भी बनाईं। राजस्थान के अनेक गाँवों में आज मनरेगा के कार्यों का प्रत्यक्ष प्रभाव देखने को मिलता है।

भूजल संकट से जूझ रहे राजस्थान में अटल भूजल योजना को भी लागू किया गया। राज्य के सात जिलों में शुरू इस योजना का लक्ष्य है-जल उपयोग का संतुलन और भूजल का पुनर्भरण। पंचायतों को इस योजना में भागीदार बनाकर उन्हें जल बजट तैयार करने और हर बूंद के महत्व को समझाने की जिम्मेदारी दी गई। इस पहल ने ग्रामीण समाज को जल प्रबंधन की दिशा में सक्रिय किया।

पेयजल की समस्या राजस्थान में सबसे गंभीर रही है। विशेषकर ग्रामीण महिलाएँ मीलों दूर से पानी लाने को मजबूर थीं। इस समस्या के समाधान हेतु केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना राजस्थान के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत राज्य के हजारों गाँवों में नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया गया है। इससे महिलाओं को राहत मिली है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ भी कम हुई हैं। लेकिन इस योजना का उद्देश्य केवल नल कनेक्शन देना नहीं है, बल्कि जल स्त्रोतों का संरक्षण और पुनर्भरण भी इसमें शामिल है।

राजस्थान की परंपरा ने हमेशा हमें यह सिखाया है कि पानी केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का मूल है। सरकार की योजनाएँ इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर नई दिशा देने का प्रयास कर रही हैं। यदि यह प्रयास लगातार जारी रहे और समाज इसमें सक्रिय रूप से भाग ले, तो राजस्थान न केवल अपने जल संकट से उबर सकेगा, बल्कि पूरे देश के लिए जल संरक्षण की प्रेरणा बन सकता है।

कृषि क्षेत्र, जो राज्य के कुल जल उपभोग का सबसे बड़ा हिस्सा है, उसमें भी सुधार की आवश्यकता थी। इसी सोच के साथ लागू की गई प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना ने राजस्थान के किसानों को नई राह दिखाई। ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी तकनीकों से कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हुआ। सीकर, झुंझुनूं, चूरू और जोधपुर जैसे जिलों में किसान अब इन आधुनिक तकनीकों को अपनाकर पानी की बचत कर रहे हैं और अपनी आय भी बढ़ा रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में भी जल संकट तेजी से बढ़ रहा है। जयपुर, जोधपुर और उदयपुर जैसे शहरों में पानी की आपूर्ति और अपशिष्ट जल प्रबंधन बड़ी समस्या है। इस दिशा में अमृत योजना और स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत वर्षा जल संचयन अनिवार्य किया गया है। अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र स्थापित किए गए हैं ताकि पानी का पुन: उपयोग किया जा सके। इससे न केवल जल संरक्षण हो रहा है बल्कि शहरी स्वच्छता में भी सुधार आ रहा है।

राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे कैच द रेन अभियान का प्रभाव भी राजस्थान में देखा जा सकता है। ''जहाँ गिरे, जब गिरे, पानी को सहेजें'' के नारे के साथ लोगों को अपने घरों और खेतों में वर्षा जल संचयन की तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विद्यालयों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से यह अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले रहा है।

राजस्थान में जल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं का हिस्सा नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का भी प्रश्न है। अलवर जिले के जोहड़ों का पुनर्जीवन, पर्यावरणविद् राजेंद्र सिंह के प्रयासों से देश और दुनिया के लिए मिसाल बना। उनके प्रयासों से पुनर्जीवित जल स्त्रोतों ने न केवल भूजल स्तर बढ़ाया, बल्कि नदियों को भी पुनर्जीवित किया। इसी तरह के प्रयास यदि हर जिले में हों तो सरकारी योजनाओं का प्रभाव कई गुना बढ़ सकता है। इन सभी योजनाओं में पहलें से यह स्पष्ट है कि राजस्थान ने जल संरक्षण की दिशा में एक नई सोच और नई नीति अपनाई है। लेकिन चुनौतियाँ अभी भी शेष हैं। राज्य के अधिकांश जिलों में जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। जलवायु परिवर्तन ने वर्षा को और भी अस्थिर बना दिया है। ऐसे में योजनाओं की सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझे। जल की एक-एक बूंद बचाना आज जीवन रक्षा का मंत्र है।

राजस्थान की परंपरा ने हमेशा हमें यह सिखाया है कि पानी केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का मूल है। सरकार की योजनाएँ इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर नई दिशा देने का प्रयास कर रही हैं। यदि यह प्रयास लगातार जारी रहे और समाज इसमें सक्रिय रूप से भाग ले, तो राजस्थान न केवल अपने जल संकट से उबर सकेगा, बल्कि पूरे देश के लिए जल संरक्षण की प्रेरणा बन सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

नेपाल संकट : डीप स्टेट और एशिया की राजनीति

मुरारी गुप्ता

सिर्फ़ दो दिनों में नेपाल की सियासी ज़मीन हिल गई। संसद, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति भवन तक विद्रोही युवाओं के निशाने पर आ गए। पूर्व प्रधानमंत्री और मंत्रियों के साथ मारपीट हुई और सत्ता का तख़्ता पलट लगभग तय हो गया। यह सब अचानक नहीं था। दक्षिण एशिया में पिछले कुछ वर्षों से जिस पैटर्न पर घटनाएँ घट रही हैं-श्रीलंका, बांग्लादेश और अब नेपाल-वह यह संकेत देता है कि कहीं न कहीं डीप स्टेट यानी अमेरिकी रणनीतिक तंत्र की भूमिका पर गंभीर सवाल उठते हैं।

डीप स्टेट क्या है?

अमेरिका की राजनीति में अक्सर यह शब्द सामने आता है। इसका आशय उन शक्तिशाली संस्थानों से है जो चुनी हुई सरकारों से परे काम करते हैं-जैसे खुफिया एजेंसियाँ, थिंक टैंक, रक्षा ठेकेदार, मीडिया लॉबी और बहुराष्ट्रीय कॉरपोरेट। इनकी प्राथमिक चिंता वैश्विक प्रभुत्व और अपने हितों की रक्षा होती है। जब भी कोई देश अमेरिकी हितों से अलग रास्ता चुनता है, वहाँ अस्थिरता पैदा करना इस तंत्र का पुराना हथियार है। इराक़, लीबिया, सीरिया इसके बड़े उदाहरण हैं। लेकिन अब यह रणनीति एशिया की उभरती राजनीति में भी देखने को मिल रही है, जहाँ चीन का प्रभाव तेज़ी से बढ़ रहा है।

नेपाल क्यों निशाने पर?

नेपाल का भौगोलिक महत्व किसी से छुपा नहीं। भारत और चीन के बीच बसा यह हिमालयी राष्ट्र दोनों देशों की सुरक्षा और रणनीति से जुड़ा है। बीते कुछ वर्षों में काठमांडू ने चीन के साथ आर्थिक और राजनीतिक नज़दीकियाँ बढ़ाई हैं। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव परियोजनाओं में नेपाल की भागीदारी और निवेश पर अमेरिका की नज़र लंबे समय से टिकी हुई है।

अमेरिका नहीं चाहता कि चीन हिमालय से होकर दक्षिण एशिया में और गहरी पैठ बनाए। ऐसे में नेपाल में अचानक भड़का युवा विद्रोह, लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बनाना और सरकार को गिराने की ज़िद एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय पटकथा का हिस्सा प्रतीत होती है।

जेनरेशन ज़ी या 'मैन्युफैक्चर्ड' गुस्सा?

नेपाल में जिन युवाओं ने विद्रोह का नेतृत्व किया, उन्हें जेनरेशन ज़ी का नाम देकर सोशल मीडिया पर ट्रेंड बनाया गया। कहा गया कि वे भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ़ खड़े हैं। लेकिन सवाल यह है कि महज़ दो दिन में इतना बड़ा तंत्र कैसे खड़ा हो गया? पुलिस और सेना की अचानक लाचारी, संगठित भीड़ की तैयारियाँ और लोकतांत्रिक ढाँचों को सीधा निशाना बनाना यह दर्शाता है कि आंदोलन स्वत: स्फूर्त कम और योजनाबद्ध ज़्यादा था। यह वही फार्मूला है जो बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ़ दिखा और श्रीलंका के आर्थिक संकट के दौरान भी अपनाया गया।

भारत के लिए चेतावनी

नेपाल की अस्थिरता भारत के लिए सीधा खतरा है। सुरक्षा दृष्टि से खुली सीमा के कारण नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता भारत के सीमावर्ती राज्यों तक असर डाल सकती है। चरमपंथी और विदेशी ताक़तें इस स्थिति का लाभ उठा सकती हैं। भूराजनीतिक दृष्टि से भी अगर नेपाल में चीन समर्थक या अमेरिका समर्थक ताक़तें बारी-बारी से खेल रचेंगी तो भारत बफ़र ज़ोन की सुरक्षा खो देगा। नेपाल को लेकर भारत की पारंपरिक 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति चुनौती में आ सकती है। सोशल मीडिया, नैरेटिव वॉरफेयर और भ्रामक प्रचार का असर भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भी पड़ सकता है।

कमजोर नेतृत्व, मजबूत नैरेटिव

नेपाल की मौजूदा राजनीति यह भी दर्शाती है कि कमजोर नेतृत्व किसी भी देश को बाहरी हस्तक्षेप के लिए खुला छोड़ देता है। जब नेतृत्व अस्थिर होता है, तब नैरेटिव की राजनीति ज़्यादा प्रभावी हो जाती है। डीप स्टेट इसी कमजोरी को भुनाता है। भारत के लिए सबक साफ़ है-सिर्फ़ मजबूत नेतृत्व ही नहीं, बल्कि सुदृढ़ लोकतांत्रिक संस्थाएँ और सतर्क जनता ही किसी भी बाहरी नैरेटिव को विफल कर सकती हैं। नेपाल की आग केवल नेपाल तक सीमित नहीं है। यह दक्षिण एशिया की भूराजनीतिक लड़ाई का हिस्सा है जिसमें अमेरिका की डीप स्टेट, चीन की महत्वाकांक्षाएँ और भारत की सुरक्षा हित तीनों टकरा रहे हैं।

आज सवाल केवल नेपाल की स्थिरता का नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता का है। अगर बाहरी ताक़तें बार-बार लोकतंत्र और युवाओं की ऊर्जा को अपने हथियार की तरह इस्तेमाल करेंगी तो अगली अस्थिरता की लपटें किसी और पड़ोसी देश तक पहुँच सकती हैं। भारत को इस पर पैनी नज़र रखनी होगी, क्योंकि दक्षिण एशिया में उठता हर धुआँ उसकी सीमाओं को ही सबसे पहले घेरता है।

–मुरारी गुप्ता
(लेखक उपन्यासकार हैं)।

राजनीतिक प्रदूषण: पर्यावरणीय संकट का एक अदृश्य कारण

अशोक कुमार

आज जब हम पर्यावरणीय संकट की बात करते हैं, तो अक्सर हमारे दिमाग में प्रदूषण फैलाने वाले कारक जैसे कि उद्योग, वाहनों का धुआँ, प्लास्टिक कचरा, पेड़-पौधों की कटाई आदि आते हैं। लेकिन इन समस्याओं के पीछे एक और बेहद महत्वपूर्ण लेकिन अदृश्य कारक होता है, जिसे हम 'राजनीतिक प्रदूषण' कह सकते हैं। यह वह प्रदूषण है जो सीधे हवा, पानी या मिट्टी को तो प्रदूषित नहीं करता, लेकिन नीतियों, फैसलों और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के माध्यम से प्रदूषण की समस्या को और जटिल बना देता है।

राजनीतिक प्रदूषण एक ऐसा सामाजिक और नीतिगत परिप्रेक्ष्य है, जो यह बताता है कि किस प्रकार राजनीतिक निर्णय, लापरवाही, भ्रष्टाचार और वोट बैंक की राजनीति के चलते पर्यावरणीय संकटों को रोकने की कोशिशें कमजोर पड़ जाती हैं। यह सीधे तौर पर पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि प्रदूषण से निपटने के प्रयासों को बाधित करता है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदूषण की समस्या के समाधान में आने वाली राजनीतिक बाधाओं को उजागर करना है, जैसे कि कानूनों का अभाव, कार्यान्वयन में लचरता, जिम्मेदारी से बचाव और केवल चुनावी लाभ के लिए पर्यावरण का उपयोग। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रभावी कानून बनाने की प्रक्रिया में अक्सर सरकारें धीमी होती हैं। कई बार सालों तक जरूरी कानून या नीतियाँ केवल मसौदे के स्तर पर अटकी रह जाती हैं। प्रदूषण जैसे आपातकालीन मुद्दों पर भी नीतिगत निर्णयों में देरी होती है। उद्योगपतियों और राजनीतिक वर्ग के बीच गठजोड़ राजनीतिक प्रदूषण का एक अहम हिस्सा है। कई बार बड़ी कंपनियाँ प्रदूषण नियंत्रण नियमों का उल्लंघन करती हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। इसके पीछे राजनीतिक चंदा, लॉबिंग और सत्ता-संबंधी हित छिपे होते हैं।

प्रत्येक चुनाव के समय राजनीतिक दल अपने घोषणापत्र में प्रदूषण को नियंत्रित करने के बड़े-बड़े वादे करते हैं - जैसे स्वच्छ हवा, स्वच्छ नदियाँ, हरे-भरे शहर आदि। लेकिन सत्ता में आने के बाद अक्सर ये वादे अधूरे रह जाते हैं।

जब प्रदूषण का स्तर चरम पर होता है - उदाहरण के लिए दिल्ली में सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण - तो राजनीतिक दल एक-दूसरे पर दोष मढ़ने में लग जाते हैं। कोई पराली जलाने को दोष देता है, तो कोई नगर निगम की लापरवाही को। लेकिन वास्तविक समाधान के लिए सामूहिक पहल नहीं होती।

राजनीतिक दल कई बार प्रदूषण से निपटने के लिए केवल प्रतीकात्मक और अस्थायी कदम उठाते हैं, जैसे कि 'सम-विषम योजना', 'एंटी-स्मॉग गन' या 'ग्रीन वीक'। ये कदम लंबे समय तक चलने वाले प्रभावशाली समाधान नहीं होते, बल्कि केवल जनता को यह दिखाने के लिए होते हैं कि सरकार कुछ कर रही है।

राजनीतिक निर्णयों के चलते पर्यावरणीय संसाधनों - जैसे पानी, जंगल, जमीन - का असमान वितरण होता है। बड़ी विकास परियोजनाओं के नाम पर आदिवासी इलाकों से जंगलों को उजाड़ा जाता है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है और गरीब समुदायों का जीवन प्रभावित होता है।

कई बार सरकारें यह तर्क देती हैं कि 'विकास' के लिए पर्यावरणीय बलिदान जरूरी है। लेकिन इस विकास का लाभ सीमित लोगों को मिलता है, जबकि पर्यावरण का नुकसान पूरी जनता को झेलना पड़ता है। यह एक प्रकार का पर्यावरणीय अन्याय है, जिसे राजनीतिक रूप से नजरअंदाज कर दिया जाता है। राजनीतिक प्रदूषण को बनाए रखने में कभी-कभी मीडिया की भूमिका भी आलोचनीय रही है। कई मीडिया चैनल पर्यावरणीय मुद्दों को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं देते या उन्हें राजनीति से जोड़कर सनसनीखेज बना देते हैं। इससे लोगों का ध्यान असली मुद्दे से भटक जाता है।

हालांकि कुछ स्वतंत्र मीडिया संस्थान और पर्यावरण कार्यकर्ता इस दिशा में जागरूकता फैलाने का प्रयास करते हैं, लेकिन जब तक सरकार और राजनैतिक दल गंभीरता से इन मुद्दों को नहीं लेंगे, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं है। राजनीतिक प्रदूषण का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि समस्या के समाधान की वास्तविक इच्छाशक्ति खत्म हो जाती है। नीतियाँ बनती हैं, लेकिन लागू नहीं होतीं। बजट आवंटित होता है, लेकिन उसका उपयोग नहीं होता। और इस सबका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है: खराब हवा से फेफड़ों की बीमारियाँ, गंदा पानी पीने से बच्चों में कुपोषण, वन क्षेत्र नष्ट होने से जलवायु परिवर्तन, गर्मियाँ अधिक गर्म और सर्दियाँ अधिक जहरीली होती जा रही हैं।

राजनीतिक प्रदूषण की समस्या को समाप्त करना आसान नहीं है, लेकिन नामुमकिन भी नहीं। इसके लिए कदम उठाए जा सकते हैं! जब आम नागरिक पर्यावरण को लेकर सजग होंगे और सरकार से जवाबदेही मांगेंगे, तब ही राजनीतिक इच्छाशक्ति पैदा होगी। पर्यावरण से जुड़ी नीतियों को मजबूत, पारदर्शी और राजनीतिक प्रभाव से मुक्त बनाना जरूरी है। राजनीतिक एजेंडे में पर्यावरण को केवल एक मुद्दा नहीं, बल्कि नीति निर्धारण का केंद्र बनाया जाना चाहिए। न्यायपालिका और स्वायत्त निकायों को पर्यावरणीय मामलों में तेजी से और निष्पक्ष निर्णय लेना चाहिए, ताकि राजनीतिक हस्तक्षेप न हो।

निष्कर्ष--राजनीतिक प्रदूषण एक गंभीर लेकिन नजरअंदाज की गई समस्या है, जो न केवल पर्यावरणीय संकट को बढ़ा रही है, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को भी कमजोर कर रही है। जब तक राजनीति में पर्यावरण को केवल एक चुनावी मुद्दा समझा जाएगा और वास्तविक समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जाएंगे, तब तक प्रदूषण की समस्या बनी रहेगी। आज जरूरत है उस राजनीतिक प्रदूषण को खत्म करने की, जो असली प्रदूषण को खत्म नहीं होने देता।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय; पूर्व विभागाध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

जयपुर के वास्तुकार प्रमोद जैन को मुम्बई में डिज़ाइन स्केप पुरस्कार-2025 मिला

जयपुर। जयपुर के मशहूर वास्तुकार प्रमोद जैन, मेसर्स प्रमोद जैन एंड एसोसिएट्स ने प्रतिष्ठित डिज़ाइन स्केप पुरस्कार-2025 प्राप्त किया है। प्रमोद जैन और उनके सहयोगियों को यह पुरस्कार मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर (एमआईसी), जोधपुर की डिजाइन के लिए सरकारी और नागरिक भवनों की श्रेणी में दिया गया है।

- **प्रमोद जैन और उनके सहयोगियों को यह पुरस्कार मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर (एमआईसी), जोधपुर की डिजाइन के लिए सरकारी और नागरिक भवनों की श्रेणी में दिया गया है**

प्रमोद जैन ने यह पुरस्कार गुरुवार को सायं मुंबई के एक होटल में आयोजित एक भव्य समारोह में प्राप्त किया। उन्हें यह पुरस्कार लगातार दूसरे वर्ष मिला। पिछले वर्ष, उन्हें ऑडिटोरियम और एरीना की श्रेणी में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर के लिए डिज़ाइन एस्केप पुरस्कार मिला था। इस कार्यक्रम में देश के शीर्ष आर्किटेक्ट, इंटीरियर डिज़ाइनर, रियल एस्टेट की शीर्ष हस्तियाँ और मुंबई के कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। यह समारोह इकोनॉमिक टाइम्स राष्ट्रीय मीडिया समूह द्वारा आयोजित किया गया। राष्ट्रीय निर्णायक मंडल ने मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर (एमआईसी) की प्रशंसा एक समकालीन वास्तुशिल्प चमत्कार के रूप में की, जो कि जोधपुर की स्थापत्य विरासत से गहराई से जुड़ा है।

सूरसागर बलुआ पत्थर और पारंपरिक निर्माण तकनीकों से निर्मित, यह केंद्र आधुनिक तकनीक, नवाचार और कार्यक्षमता के साथ क्षेत्रीय चरित्र को कुशलतापूर्वक एकीकृत करता है।एमआईसी राजस्थान का सबसे बड़ा ऑडिटोरियम है, जिसमें 1350 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। इसमें जोधपुरी पत्थरों से बना एक प्रतिष्ठित अग्रभाग है, जिसमें भव्य प्रवेश द्वार, स्तरित छतें और पत्थर के स्तंभ, जालियाँ, कोष्ठक, दासा और छज्जा जैसी पारंपरिक सजावटें हैं। विशालता, भव्यता और सांस्कृतिक प्रतीकों का यह संगम एमआईसी को शहर का एक विशिष्ट स्थल बनाता है।

वास्तुकार प्रमोद जैन।

महाजन फायरिंग रेंज में बीएसएफ की आर्टिलरी रेजीमेंट ने लक्ष्य भेदकर ताकत दिखाई

बीकानेर, (निसं)। महाजन फायरिंग रेंज एक बार फिर धमाकों से गूंज उठी। बीएसएफ की आर्टिलरी रेजीमेंट ने अपने कौशल और क्षमता का प्रदर्शन कर गनों से सटीक निशाने साधे। बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने लाइव फायरिंग देखी।

- **बीएसएफ की आर्टिलरी रेजीमेंट ने अपने कौशल और क्षमता का प्रदर्शन कर गनों से सटीक निशाने साधे**
- **बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने लाइव फायरिंग देखी और हथियारों का जायजा लेकर जवानों की हौसला अफजाई की**

महाजन फायरिंग रेंज में पिछले करीब एक महीने से बीएसएफ की 1044 आर्टिलरी रेजीमेंट को सालाना शूटिंग कोर्स चल रहा है। जवान इस दौरान आर्टिलरी गन से निशाने साधकर अपनी ताकत बढ़ा रहे हैं। महानिदेशक दलजीत सिंह इस सिलसिले में दिल्ली से विमान द्वारा यहां पहुंचे। महाजन रेंज पहुंचकर लाइव फायरिंग देखी और हथियारों का जायजा लिया। उन्होंने जवानों की हौसला अफजाई करते हुए चुनौतियों को मुकाबला करने के लिए हर वक्त तैयार रहने के निर्देश दिए। उन्होंने गन पोजीशन पर तैनात सैनिकों के साथ बातचीत की। साथ ही उनके समर्पण और प्रयास की सराहना की। डीजी ओपी प्वाइंट पर भी गए।

सेना से ड्रोन खतरों पर चर्चा

: डीजी बीएसएफ दलजीत सिंह चौधरी ने सेना की रणबांकुरा डिवीजन के मेजर जनरल दीपक श्योराण से सीमा पर पाकिस्तान की ओर से आ रहे ड्रोन खतरों से निपटने पर चर्चा की। दोनों उच्च सैन्य अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद उपजे सीमा के हालात पर मंथन किया। बीएसएफ आईजी एमएल गर्ग, डीआईजी अजय लूथरा, डीआईजी प्रधान स्टाफ वीएम सिंह भी इस दौरान मौजूद रहे। रेंज के आईजी हेमंत शर्मा और एसपी कावेंद्र सागर ने भी डीजी से मुलाकात की तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा के हालात पर बातचीत की।

लाइव फायरिंग के दौरान आर्टिलरी गन से सामरिक स्थिति के अनुसार विभिन्न टारगेट साधे गए। न्यू जेनरेशन इक्विपमेंट और प्रोजेक्ट शक्ति पर ब्रीफिंग तथा उनका प्रदर्शन किया गया। डीजी चौधरी ने बताया कि स्थापना के बाद से बीएसएफ आर्टिलरी अपने आदर्श वाक्य ''लक्ष्य, निश्चय, विजय'' पर खरी उतरी है। रेंज में ब्रिगेडियर गगनदीप सिंह चीमा (सेवानिवृत्त), डीआईजी/कमांडर (आर्टिलरी) ने डीजी का स्वागत किया।

राशिफल शनिवार 13 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र दिन 10:11 तक, हर्षण योग दिन 10:32 तक, वणिज करण प्रात: 7:24 तक, चन्द्रमा आज सायं 5:31 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवि योग दिन 10:11 तक है और पुन: दिन 3:41 से आरम्भ होगा। त्रिपुष्कर योग प्रात: 7:24 से दिन 10:11 तक है। आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग दिन 10:11 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रात: 7:24 से सायं 6:14 तक रहेगी। आज मंगल तुला राशि में रात्रि 9:23 से प्रवेश करेगा। आज सप्तमी तिथि का क्षय हुआ है। आज सप्तमी का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:47 से 9:19 तक, चर 12:23 से 1:55 तक, लाभ-अमृत 1:55 से 4:59 तक।
राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:15, सूर्यास्त 6:31

मेष

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

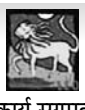

सिंह

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

वृष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है, उचित परामर्श मिलेगा। आज व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

तुला

व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आज यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कुंभ

घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 137 प्रभात चूरू, शनिवार 13 सितम्बर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली

शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने राज्यसभा के सभापति पद का कार्यभार भी ग्रहण किया, क्योंकि उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति भी होता है

नयी दिल्ली, 12 सितंबर। चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को देश के 15 वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलायी।

इससे पहले राधाकृष्णन के उप

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राधाकृष्णन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।
- समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व राष्ट्रपति कोविंद, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, वेंकैया नायडू, हामिद अंसारी के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला व कई केन्द्रीय मंत्रियों ने हिस्सा लिया।

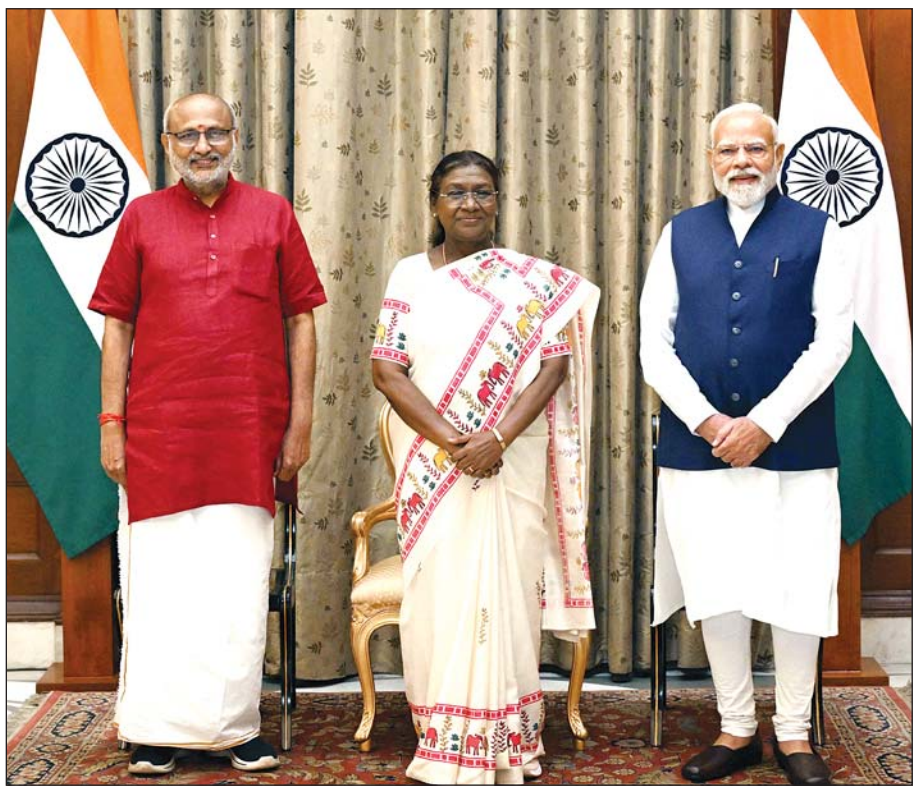

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन को 15 वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद थे।

राष्ट्रपति निर्वाचित होने से संबंधित निर्वाचन आयोग का प्रमाण पत्र पढ कर सुनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड, वेंकैया नायडू, हामिद अंसारी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय मंत्री जय प्रकाश नड्डा, नितिन गडकरी और कई अन्य केन्द्रीय मंत्री तथा अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा देने के बाद 9 सितम्बर को उप राष्ट्रपति का चुनाव कराया गया था। इस चुनाव में केंद्र में सत्तारूढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार रहे राधाकृष्णन निर्वाचित घोषित किये गये थे। उन्होंने विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। सी पी राधाकृष्णन ने उप राष्ट्रपति के पद की शपथ लेने के बाद यहां राज्यसभा के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इस्तीफे के बाद पहली बार जगदीप धनखड़ पब्लिक में आये

नयी दिल्ली, 12 सितंबर। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपने पद से इस्तीफा देने के बाद शुक्रवार को पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखायी दिए।

धनखड़ राष्ट्रपति भवन में सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने आए थे। वे इस कार्यक्रम में सपत्नीक पधारे और उनको अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ अग्रिम पंक्ति में बैठाया गया। उनके साथ उपराष्ट्रपति

- वे उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए तथा पूर्व राष्ट्रपति वेंकैया नायडू व हामिद अंसारी के साथ बैठे।

पद को सुशोभित कर चुके सर्ववेंकेया नायडू, हामिद अंसारी भी बैठे नजर आए।

धनखड़ के समारोह में पहुंचने पर गृहमंत्री अमित शाह से उनकी भेंट हुई और शाह ने उनका अभिवादन किया। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने भी धनखड़ से भेंट करके उनकी कुशल क्षेम पूछी।

जब राधाकृष्णन, शपथ ग्रहण के लिए पहुंचे तो धनखड़ ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। दोनों नेताओं में कुछ क्षण के लिए आपस में बातचीत हुई।

गौरतलब है कि धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों के आधार पर अपने पद से 22 जुलाई को त्यागपत्र दे दिया था। उसके बाद से करीब डेढ़ महीने से अधिक की अवधि में वे किसी भी कार्यक्रम में नहीं दिखे। इसे लेकर विपक्षी सांसदों ने प्रश्न भी उठाए थे।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की नेपाल की अंतरिम प्र.मंत्री बनीं

उनका नाम जनरेशन ज़ैड के प्रतिनिधि सुदीप गुरुंग ने प्रस्तावित किया था, राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, व नेपाल के सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडल के आपसी सामंजस्य के बाद, फाइनल हुआ

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की ने अंतरिम प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। अब उनके कंधों पर यह भारी जिम्मेदारी है कि वे देश को फिर से पटरी पर लाएँ और जेनरेशन-ज़ेड की उस आकांक्षा को पूरा करें जिसमें नेपाल को भ्रष्टाचार और परिवारवाद से मुक्त समाज बनाने

- सुशीला कार्की की छवि साफ व भ्रष्टाचार के मामले में किसी प्रकार के दबाव के आगे नहीं झुकने वाली दबंग महिला की है।

का सपना है।

शपथ ग्रहण समारोह नेपाल के राष्ट्रपति भवन में हुआ। इसके साथ ही कई दिनों से चल रही अटकलों और पर्दे के पीछे हो रही बातचीत पर विराम लग गया और देश को पहली महिला प्रधानमंत्री मिलीं।

राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से इस निर्णय की विधिवत घोषणा की गई। यह सहमति राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, नेपाल सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल और जेनरेशन-ज़ेड आंदोलन के प्रतिनिधियों के बीच बनी। इसी आंदोलन के दबाव में पिछले हफ़्ते पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को इस्तीफ़ा देना पड़ा था। इन घटनाओं से पहले कई दिनों तक नेपाल में ज़बरदस्त प्रदर्शन हुए थे, जिन्हें भ्रष्टाचार और बेरोज़गारी से परेशान युवाओं ने आगे बढ़ाया। प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस की कार्रवाई में कम से कम 51 लोग मारे गए और इसी वजह से ओली को पद छोड़ना पड़ा।

सुशीला कार्की

हिंसक जेनरेशन-ज़ेड आंदोलन ने नेपाल को अराजकता में धकेल दिया था। बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के इस्तीफ़े के बाद, नेपाल सेना ने हालात को काबू में करने के लिए हस्तक्षेप किया। इस दौरान, काठमांडू समेत कई जगहों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट हुई। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और कई मंत्रियों के आवास तक में आग लगा दी।

ओली के जाने के बाद सबकी नज़रें इस बात पर थीं कि अंतरिम सरकार का नेतृत्व कौन करेगा। इस बीच जेनरेशन-ज़ेड, जिसका नेतृत्व एक एनजीओ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ढाई साल के हिंसक दौर के बाद आज मणिपुर पहुंचेंगे प्र.मंत्री मोदी

कई दिनों की अटकलों के बाद मोदी का मणिपुर दौरा फाइनल हुआ

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को मणिपुर जाएंगे। मई 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद यह उनकी पहली मणिपुर यात्रा होगी। राज्य के मुख्य सचिव ने इस बात की पुष्टि की है।

बीते कुछ दिनों से पीएम के दौरे की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई थी। शुक्रवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने बताया कि पीएम मोदी

- मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने पत्रकारों को बताया कि प्र.मंत्री 12.30 बजे आइज़ोल से मणिपुर पहुंचेंगे।
- प्र.मंत्री सबसे पहले चूराचांदपुर पहुंचेंगे जो कुकी बहुल क्षेत्र है, फिर वे इम्फाल जाएंगे जो मैती बहुल है। इस यात्रा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री हिंसा के विस्थापितों से भी मिलेंगे। यात्रा कार्यक्रम को संतुलन बनाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

शनिवार को मिज़ोरम की राजधानी आइजल से चुराचांदपुर ज़िले पहुंचेंगे, जहां वे दोपहर लगभग 12:30 बजे हिंसा के कारण विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। इसके अलावा वे राज्य भर में प्रस्तावित 7,300 करोड़ की परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

परमिता त्रिपाठी कुवैत में राजदूत बनीं

नयी दिल्ली, 12 सितम्बर। भारतीय विदेश सेवा की अधिकारी परमिता त्रिपाठी को कुवैत में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश सेवा के 2001 बैच की अधिकारी त्रिपाठी अभी मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं। विदेश

- वे 2001 बैंच की भारतीय विदेश सेवा की अधिकारी हैं।

मंत्रालय के अनुसार, उनके शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। उन्हें डॉ. आदर्श स्वाइका की जगह कुवैत का राजदूत बनाया गया है। अपने दो दशक से भी लंबे कैरियर में त्रिपाठी विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान और संयुक्त राष्ट्र डेस्क पर भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने ब्रुसेल्स और टोक्यो में भी काम किया है। वे वर्ष 2017 में न्यूयार्क में भारत की उप महावाणिज्य दूत और वर्ष 2013 में सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग में उप उच्चायुक्त रह चुकी हैं।

प्र.मंत्री की मां के एआई विडियो पर भाजपा में भारी गुस्सा

भाजपा जोर शोर से इस मसले को उठा रही है और ऐसा लगता है यह विवाद थमने वाला नहीं है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां पर बनाए गए एआई वीडियो को लेकर शुक्रवार को विवाद बढ़ गया, लेकिन कांग्रेस पीछे हटने के बजाय और मुखर हो गई। पार्टी ने कहा कि किसी का अपमान नहीं हुआ है और वीडियो सिर्फ एक माता-पिता द्वारा अपने बच्चे को समझाने की कहानी है। कांग्रेस नेता पवन खेडा ने कहा, "माता-पिता का कर्तव्य होता है कि वे अपने बच्चों को सही दिशा दिखाएं। वे (पीएम मोदी की दिवंगत मां हीराबेन मोदी) अपने बच्चे को सिर्फ समझा रही हैं। अगर बच्चा इसे अपना अपमान मानता है, तो यह उसकी समस्या है।"

खेड़ा की यह टिप्पणी उस समय आई, जब भाजपा ने आरोप लगाया कि

- भाजपा के भारी हमले के बाद कांग्रेस और मुखर हो गई विडियो में एक मां द्वारा बच्चे को सिखाने के बारे में इसमें किसी का अपमान नहीं है। भाजपा सहानुभूति बटोरने के लिए यह मुद्दा उठा रही है।
- भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज़ ने कहा, कांग्रेस बार-बार प्रधानमंत्री की मां हीराबेन का अपमान कर रही है।

बिहार कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया गया वीडियो, जिसमें प्र.मंत्री की मां हीराबेन मोदी की एआई से बनाई गई छवि प्रधानमंत्री मोदी को वोट के लिए उनका इस्तेमाल करने पर फटकार लगाती है, यह न केवल महिलाओं का अपमान है, बल्कि कांग्रेस की राजनीति लगातार नए स्तरों तक गिर रही है।

भाजपा प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि पिछले महीने विपक्ष की एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया था।

उन्होंने कहा, "कांग्रेस लगातार गिरती जा रही है। पहले कांग्रेस के मंच से प्रधानमंत्री मोदी की मां के खिलाफ गाली दी गई। अब उनकी एआई छवि बनाकर उनका अपमान किया जा रहा है। बिहार और देश यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। जो महिला अब इस दुनिया में नहीं है, उसकी छवि बनाकर, उसके मुंह में शब्द डालना दुर्भाग्यपूर्ण है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पायलट ने भूमि मुआवजा कानून की पालना की मांग की

उज्जैन, 12 सितम्बर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने आज शुक्रवार को उज्जैन कृषि उपज मंडी में आयोजित किसान सम्मेलन में किसानों की

- कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने उज्जैन में किसान सम्मेलन को संबोधित किया।

समस्याओं को उठाते हुए भूमि मुआवज़ा कानून के पालन की मांग की। उन्होंने कहा कि देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की आवाज़ को दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस न डरेगी और न झुकेगी, बल्कि भाजपा की दमनकारी नीतियों के खिलाफ मजबूती से लड़ेगी।

सम्मेलन में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने कहा कि भाजपा की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जगदीप छोकर, जिन्होंने चुनाव प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता व जवाबदेही के लिये जीवन भर संघर्ष किया, अब नहीं रहे

वे इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद में प्रोफेसर थे, वहां कार्यरत रहते हुए ही एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स का गठन किया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के सह-संस्थापक और भारत में चुनावी पारदर्शिता और जवाबदेही के एक मजबूत पैरोकार, जगदीप एस. छोक्कर का शुक्रवार, 12 सितंबर को दिल्ली में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 80 वर्ष के थे। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद में प्रोफेसर रहे छोक्कर ने अकादमिक जीवन की सुविधाओं को त्याग कर भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था।

- न्यायालय में लगातार याचिकाएं व मुकदमे दायर कर, अंततोगत्वा सुप्रीम कोर्ट से उन्होंने यह आदेश प्राप्त कर लिया, कि हर उम्मीदवार को अपने "क्रिमिनल बैकग्राउण्ड," वित्तीय स्थिति व शैक्षणिक योग्यता का खुलासा करना अनिवार्य होगा।
- इस एक "रिफॉर्म" ने आम नागरिक, मीडिया व अन्य प्रजातंत्र के प्रहरियों को सक्षम बना दिया, राजनीतिज्ञों पर निगाह रखने के लिये।
- छोकर, अपनी मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बावजूद बहुत विनम्र थे, तथा छोटे से छोटे पत्रकार को बड़े धैर्य से "इलैक्टोरल रिफॉर्म्स" की बारीकी समझाते थे, तथा हिम्मत व हौसला बढ़ाते थे, स्वतंत्र व निष्पक्ष पत्रकारिता करने के लिये।

उनकी इच्छा के अनुसार, उनका शरीर एक अस्पताल को दान कर दिया गया, इसलिए उनका अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। पत्रकारों के लिए, एडीआर भारतीय राजनीति की छिपी दुनिया में प्रवेश का माध्यम था। उम्मीदवारों की संपत्ति और आपराधिक रिकॉर्ड पर इसकी रिपोर्टें अक्सर उन चौंकाने वाली कहानियों की शुरुआत बनती थीं, जो निर्वाचित प्रतिनिधियों की संपत्ति, सत्ता और संदिग्ध आचरण को उजागर करती थीं।

लगातार कानूनी लड़ाई और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से, एडीआर ने सुप्रीम कोर्ट से यह अनिवार्य करवाया कि उम्मीदवारों को अपने आपराधिक, वित्तीय और शैक्षणिक विवरण सार्वजनिक करने होंगे। यह इकलौता सुधार नागरिकों, मीडिया और निगरानी संगठनों को राजनेताओं की जवाबदेही तय करने के अभूतपूर्व साधन प्रदान करता है।

उन्होंने आईआईएम में पढ़ाते समय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग लड़की से परिचित आरोपी द्वारा दुष्कर्म

जयपुर, 12 सितम्बर। करधनी थाना इलाके में 15 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया

- नाबालिग के पिता ने थाने में मामला दर्ज कराया।

है। विरोध करने पर आरोपित परिचित ने डरा-धमकाकर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। प्रेग्नेंट होने पर नाबालिग के साथ दरिंदगी का पता चला। नाबालिग पीड़िता के पिता की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

पुलिस ने बताया कि करधनी के रहने वाले व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी 15 वर्षीय बेटी से परिचित युवक ने दुष्कर्म किया है। आरोप है कि परिचित होने के कारण आरोपित को नाबालिग बेटी जानती है। परिजनों की गैरमौजूदगी में आरोपित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो हत्यारों को उम्रकैद की सजा

टोंक, (निसं)। हत्या के आरोप में एससी/एसटी कोर्ट ने एक युवक और उसके दोस्त को उम्रकैद की सजा सुनाई है। घटना 4 अप्रैल 2024 की है, जहां युवक ने अपनी प्रेमिका के पति की शराब की बोतल से गला काटकर हत्या की गई थी। इसके बाद उसके शव को कुएं में फेंक कर फरार हो गया था। मामले में मृतक युवक की मां ने पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत सहायता राशि देने की मांग भी की है, जिस पर कोर्ट ने सजा सुनाते हुए हत्यारों पर 2 लाख का जुर्माना भी लगाया है। पुलिस जांच में सामने आया था कि आरोपी युवक का मृतक की पत्नी से अवैध संबंध था, जिसके चलते युवक ने पति को अवैध संबंधों में बाधक मान अपने दोस्त के साथ मिलकर शराब की बोतल तोड़ उससे गला रेत हत्या कर दी थी।

जेईएन के लिए 17 हजार की रिश्वत लेते दलाल गिरफ्तार

एसीबी की कार्रवाई की भनक लगने पर जेवीएनएल कनिष्ठ अभियंता तेजसिंह फरार हो गया

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की अलवर प्रथम टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए जेवीएनएल कनिष्ठ अभियंता (जेईएन) तेज सिंह के कहे अनुसार उसके दलाल फूलसिंह को परिवादी से 17 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। वहीं एसीबी की कार्रवाई की भनक लगने पर जेईएन तेजसिंह मौके से फरार हो गया। जिसकी एसीबी की टीम तलाश कर रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी अलवर को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके घर के पास शिवजी का मंदिर है और दस सितम्बर को पिनान जीएसएस का जेईएन तेज सिंह परिवादी के घर आए और उससे कहा कि तुम लोगों ने मंदिर में बिना मीटर के विद्युत का सीधा कनेक्शन कर रखा है। जेईएन तेज सिंह ने परिवादी को साइड में ले जाकर कहा कि तुमने मंदिर में चोरी की लाइट लगा रखी है या तो तुम अभी तीस हजार रूपये दो अन्यथा एक लाख रुपये की वीसीआर भर देंगे। परिवादी ने जेईएन से कहा कि इस कनेक्शन से उनका कोई लेना-देना नहीं है। वह तो मंदिर में आने-जाने वालों के लिए लाइट लगा रखी है। घर के इनवर्टर से मंदिर की लाइट को जोड़ रखा है। उनके घर का तो अलग से कनेक्शन ले रखा है। परन्तु जेईएन तेजसिंह ने धमकी दी कि यदि तुम 30 हजार रुपये कल तक नहीं दोगे तो वह एक लाख की वीसीआर भर देगा। जेईएन तेजसिंह ने वीसीआर डर दिखाते हुए पांच हजार रुपये तो उसी समय ले लिए और जाते हुए कहा 25 हजार रुपये नहीं लाया तो वीसीआर भर देगा। उक्त वीसीआर नहीं भरने के नाम पर 30 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है, जिस पर एसीबी चौकी अलवर प्रथम प्रभारी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएलओ महेन्द्र कुमार ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए आरोपित जेईएन के दलाल फूल सिंह को 17 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

एसीबी की टीम ने आरोपी दलाल फूल सिंह को रिश्वत के आरोप में पकड़ा।

- **एक लाख की वीसीआर भरने की धमकी देकर कनिष्ठ अभियंता ने 30 हजार रुपये मांगे थे**
- **जेईएन तेजसिंह ने वीसीआर का डर दिखाते हुए पांच हजार रुपये तो उसी समय ले लिए और जाते हुए कहा कि 25 हजार रुपये नहीं लाया तो वीसीआर भर देगा**

डंपर ने बाइक को टक्कर मारी, दो युवकों की मौत

अलवर, (निसं)। अलवर के टहला में तेजाला स्टैंड पर शुक्रवार दोपहर डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। डंपर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद दोनों मृतकों के शव टहला हॉस्पिटल की मॉर्चरी में रखवाए गए। घटना की सूचना के बाद मृतकों के परिजन हॉस्पिटल पहुंचे। परिजनों ने डंपर ड्राइवर को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर तेजाला रोड पर जाम लगा दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टहला से तेजाला रोड पर डंपर ने सामने से बाइक को टक्कर मारी थी। घटना के बाद मौके पर इकट्ठा हुई भीड़ ने एंबुलेंस को फोन करके बुलाया और टहला दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दोनों मृतकों की पहचान ककराली रामपुरा निवासी जगरूप गुर्जर पुत्र प्रभुदयाल गुर्जर और कमलेश पुत्र रामहेत गुर्जर के रूप में हुई। फिलहाल परिजनों का सड़क जाम व प्रदर्शन जारी था। पुलिस परिजनों से समझाइश के प्रयास कर रही है। वहीं पुलिस ने डंपर ड्राइवर को पकड़ने के लिए पुलिस ने सर्च शुरू किया है।

गुस्साए परिजनों ने सड़क पर जाम लगाकर ड्राइवर को गिरफ्तार करने की मांग की

युवक की हत्या करने वालों को आजीवन जेल

अलवर, (निसं)। युवक की हत्या करने वाले 4 आरोपियों को आजीवन जेल की सजा सुनाई है। चारों ने युवक को घेरकर चाकू घोंपा था। हत्या के दो साल बाद अलवर के विशिष्ट कोर्ट ने आरोपियों की सजा का फैसला सुनाया। वहीं आर्थिक दंड से भी दंडित किया है। सरकारी वकील योगेंद्र सिंह खटाना ने बताया कि हत्या की वारदात खैरथल के खिरगची गांव के बस स्टैंड की है। जज एससी एसटी अनीता सिंघल ने आरोपी खैरथल के मुन्फेद, करण सिंह, हेमंत उर्फ गोलू और उमरसैद को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट के सामने 27 गवाह पेश किए गए। मामले में 19 अक्टूबर 2023 को परिवादी अशोक कुमार ने खैरथल थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया था कि उनका बेटा योगेंद्र अपने दोस्त अमित के साथ कहीं जा रहा था। रास्ते में तीन बाइक पर 8 से 9 लोगों ने आकर चाकूओं से अमित की हत्या कर दी। उस समय खैरथल थाने में 6 के खिलाफ चार्जशीट पेश की गई थी।

सेना व पुलिस ने कपड़ों की दुकानों पर छापे मारे

दुकानों से सेना की वर्दी का कपड़ा बरामद किया

बीकानेर, (निसं)। मिलिट्री इंटेलीजेंस और कोटगेट पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए कपड़ों की कुछ दुकानों पर छापे मारकर सेना की वर्दी का कपड़ा बरामद किया है। बाजार में खुलेआम सेना की वर्दी का कपड़ा बिक रहा है। हर कोई इस कपड़े का उपयोग कर वस्त्र बनवा रहे हैं। इसे देखते हुए मिलिट्री इंटेलिजेंस शहर में कपड़े की दुकानों पर जाकर कई दिन तक रेकी की थी।

कोलगेट पुलिस को साथ लेकर इंटेलिजेंस ने सुभाष मार्ग और कोटगेट पर स्थित कपड़ा व्यापारियों के यहां करवाई की। इससे दुकानदारों में हड़कंप मच गया। इस इस मामले में फिलहाल किसी भी दुकानदार के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मिलिट्री इंटेलिजेंस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सेना की वर्दी का कपड़ा खुले बाजार में बेचना केंद्र सरकार की गाइडलाइंस के खिलाफ है। बिना अनुमति ऐसे कपड़े की बिक्री राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। सेना की वर्दी को दोहराना या बिना निगरानी बेचना प्रतिबंधित है। इसकी खुली बिक्री से आतंकियों या असामाजिक तत्वों को फायदा मिल सकता है, जो सैनिक बनकर घुसपैठ, आतंकी हमले या तोड़फोड़ कर सकते हैं। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा कि वर्दी केवल पहनावे का प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय सेना की पहचान और जनता का विश्वास है। उसका दुरुपयोग पूरे सुरक्षा ढांचे को खतरे में डाल सकता है।फिलहाल कपड़े का स्टॉक पुलिस और सैन्य अधिकारियों की निगरानी में रखा गया है।

इनामी अपराधी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

भीलवाड़ा। जिले की गुलाबपुरा थाना पुलिस एवं साइबर थाना भीलवाड़ा के सहयोग से वर्ष 2021 में एनडीपीएस एक्ट में फरार चल रहे अपराधी पर 15 हजार का इनाम घोषित था, जिस पर अपराधी को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हनुमान सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अमरीश मधुकर सावंत (45) निवासी महावीर कल्पवृक्ष सोसायटी, कासार वड़वल्ली, महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। साइबर सेल भीलवाड़ा, गुलाबपुरा पुलिस ने संयुक्त रूप से 6 सदस्यों की टीम गठित कर कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है।

युवक ने की आत्महत्या

उदयपुर, (निसं)। सविना थाना क्षैत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सविना थाना क्षेत्र तितरड़ी ठाकुरदाता चौराहा निवासी राहुलसिंह पुत्र जसवन्तसिंह ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर एएसआई रामनाथ ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः– 6814 दिनांकः– 11.09.2025

–:: निविदा सूचना ::–

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं० न0प0बू0/निर्माण/2025–26/6809 दिनांक 10/09/2025 की निविदा दिनांक 11/09/2025 से दिनांक 23/09/2025 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 24/09/2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 24/09/2025 को 4.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB17436 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/9982 आयुक्त, नगर परिषद, बून्दी

कार्यालय नगर परिषद झालावाड़ (राज0)

क्रमांक :- न.परि.झा./लाईट/2025/3546 दिनांक :- 10/09/2025

ई-निविदा

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तिय वर्ष 2025–26 हेतु विभिन्न अभियांत्रिकी विभागो में उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से नगरीय क्षेत्र झालावाड में सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था संधारण कार्य (O&M) 2025-26 हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व प्राप्त किये जा सकेंगे।

UBN No.: DLB2526WSOB17290

राज.संवाद/सी/25/9862 आयुक्त, नगर परिषद झालावाड़

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज.

गांधी उद्यान–ब्यावर रोड़, बिजयनगर

टैलीफोन नम्बर – 01462–230051 ई–मेल :– npvijaynagar@gmail.com

ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 17/2025–26

नगर पालिका बिजयनगर द्वारा राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से सिविल कार्य हेतु ऑन लाईन निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रीया से वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 17/2025–2026 के कार्य संख्या 01 की अनुमानित लागत 11.31 लाख है। ऑन लाईन निविदाए दिनांक 12–09–2025 से 22–09–2025 समय सांय 6:00 बजे तक डाउनलोड की जाकर दिनांक 23–09–2025 को निविदा शुल्क, अमानत राशि एंव प्रोसेसिंग शुल्क की डी.डी. भौतिक रूप से समय 12:00 PM तक कार्यालय में जमा कराई जा सकती है। ऑन लाईन निविदा की ऑन लाईन निविदा खोलने की दिनांक 24–09–2025 समय प्रातः 10:00 बजे खोली जायेगी। अधिक जानकारी वेबसाईट https://sppp.raj.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

UNB Reference No:- DLB2526A5742

राज.संवाद/सी/25/9941 अधिशाषी अधिकारी

OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER WATER RESOURCES ZONE, JAIPUR

Sinchai Bhavan. J.L.N. marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail-acejpr.wr@gmail.com

No. F(406)/ACE/JPR/Acctts/2025-26/2867 Date: 29.08.2025

e-NIB NO. 19/2025-26

On behaalf of the Governor of Rajasthan.bids are invited from eligible bidders for the work of-
1. Rehabilitation of Mohanpura Irrigation Project District Karauli (Estimated value of work is Rs. 418.63 Lac)

Last date of submission of Bid is 24.09.2025. Detailed Bid & Bid document can be seen on & downloaded from official website (https://eproc.rajasthan.gov.in, & http://sppp.raj.nic.in)
NIB CODE NO. WRD2526A0380, UBN NO. WRD2526WSOB00922

Additional Chief Engineer
WRD Zone Jaipur

DIPR/C/12991/2025

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, संभाग प्रथम, जोधपुर

क्रमांक-9099 दिनांक-02.09.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या-21 वर्ष 2025-26

NIB NO. PWD2526A3056

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जालौर शहर की रिंग रोड निर्माण हेतु डीपीआर के कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रूपये 80.00 लाख है अत उक्त कार्यो के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

NIB NO. PWD2526A3056, UBN NO. PWD2526SLOB11459
DIPR/C/13068/2025

(नेमी चन्द शर्मा)
अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता,
सा.नि.वि. संभाग प्रथम, जोधपुर

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/138 - 140 Date :- 11/09/2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या : 37/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 39.62 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	12.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 18.09.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	12.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 18.09.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	19.09.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00251

राज.संवाद/सी/25/9900 अधिशाषी अभियन्ता - विद्युत, उदयपुर विकास प्राधिकरण

CAVEAT NOTICE

IN THE RAJASTHAN CIVIL SERVICES APPELLATE TRIBUNAL AT JAIPUR

APPEAL No. /2025 Versus State of Rajasthan & Ors.

1. State of Rajasthan through Secretary, Panchayati Raj and Rural Development Department, Government of Rajasthan, Secretariat, Jaipur-302005
2. Commissioner, Panchayati Raj and Rural Development Department, Government of Rajasthan, Secretariat, Jaipur-302005
3. Deputy Commissioner and Joint Administrative Secretary (II), Panchayati Raj and Rural Development Department, Rajasthan, Government Secretariat, Jaipur-302005.
4. Chief Executive Officers, All Districts, Panchayati Raj and Rural Development Department.

CAVEATOR / PROPOSED RESPONDENTS

VERSUS

Any person / Additional Block Development Officeras per seniority list dated 01.04.2022, 01.04.2023, 01.04.2024, 01.04.2025

RESPONDENT / APPREHENDED APPELLANT

CAVEAT UNDER RULE 37 OF RAJASTHAN CIVIL SERVICES (SERVICES APPELLATE TRIBUNAL RULES).THE CAVEATOR ABOVE NAMED MOST RESPECTFULLY BEGS TO SUBMIT AS UNDER:

MOST RESPECTFULY SHOWETH,

That the caveator is State of Rajasthan through its Department of Panchayati Raj and Rural Development and has vide Rajkaaj Ref. No. 17580876 dated 04.09.2025 had issued provisional seniority list for Additional Block Development Officer of Rajasthan Rural Development and Panchayati Raj State and Subordinate Services as per 1st April 2022,1st April 2023,1st April 2024,1st April 2025.

Any person /Additional Block Development Officerof Rajasthan Rural Development and Panchayati Raj State and Subordinate Servicesmay be aggrieved by the said order of provisional seniority list may file an appeal before the Hon'ble Rajasthan Civil Services Appellate Tribunal and may pray for the stay of the provisional seniority list Rajkaaj Ref. No. 17580876 dated 04.09.2025 by the caveator State.

It is prayed that the caveator / proposed respondent apprehend that during the course of seniority and promotion will be affected if any appeal preferred by the aggrieved parties seeking interim relief / reliefs is allowed. The caveator has engaged Miss. Radhika Maharwal, Advocate,Additional Standing Government Counsel, Department of Panchayati Raj and Rural Developmentas its counsel to argue and oppose the application for interim relief filed by the proposed petitioners along with their petition. In the facts and circumstances of the case, this Hon'ble Tribunal may kindly permit the caveator to appear through its counsel and argue the case at the time of hearing on the application for grant of interim relief.

It is, therefore,prayed that this Hon'ble Tribunal may kindly allow this application and permit the caveator to appear and argue at the time of hearing on the petition/interim application, if any, filed by the proposed petitioner, in the interest of justice.

Radhika Maharwal
Advocate
(Additional Standing Government Counsel,
Rajasthan Civil Services Appellate Tribunal at Jaipur)

Raj.Samwad/C/25/9860

कार्यालय नगरपरिषद् चूरू (राजस्थान)

क्रमांक : न.प./सफाई शाखा/2025–26/17650379 दिनांक :– 11.09.2025

ई–निविदा सूचना 54 वर्ष 2025–26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगरपरिषद, द्वारा कार्य की निविदा आईडी नम्बर DLB2526A5780 आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगरपरिषद चूरू के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकता है।

UBN Code :- DLB2526SLOB17663

राज.संवाद/सी/25/9978 आयुक्त, नगरपरिषद् चूरू

कार्यालय नगरपालिका खुडाला फालना स्टेशन जिला–पाली

टेलि न./फैक्स न. – (02938) 236170/236883, ई–मेल – eombfalna@gmail.com

Notice Inviting Bid

Bids for Development Work Of Subject matter(s) of Procurement are invited from interested bidders From 05:00 PM Date 09-09-2025 to 22-09-2025 Date 05:00 PM Other particulars of the bid may be Visited on the procurement portal (http://Sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and Muncipal Board Khudala-Falna Office,

UBN :- DLB2526WSOB17204, DLB2526WSOB17206

Raj.Samwad/C/25/9825 Executive Officer

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)

(लालबहादुर शास्त्री टाउन हॉल, सूरजपोल के पास, पाली, पिनकोड-306401) टेली-फैक्स:- 02932-250033, ई-मेल :- cmcpali@yahoo.co.in

क्रमांक :- प.5( )भण्डार/2025/105 दिनांक :- 08/09/2025

ई-निविदा सूचना

नगर निगम पाली में भण्डार कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की गयी है निविदा सम्बन्धी जानकारी व अन्य शर्ते निगम कार्यालय एवं एवं वेबपार्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल व http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN No. DLB2526WSOB17236 के जरीये देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/9882 आयुक्त, नगर निगम पाली

MUNICIPAL COUNCIL LALSOT DISTT. DAUSA

S.No.:-NPL./works/2025/ 2951 Date:- 11-09-2025

NIB –01/2025-26

Municipal Board Lalsot invites online open competitive bids for various types of works through Scheme from interested bidder upto 23-09-2025 till 06:00 PM. Other Particulars of the bid may be visited on http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in and at office.

UBN:-DLB2526WSOB17465, 17470, 17475

Raj.Samwad/C/25/9994 — President, Municipal council Lalsot — Commissioner, Municipal council Lalsot

भारत सरकार, रेल मंत्रालय रेलवे भर्ती बोर्ड

केंद्रीकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 04/2025
सेक्शन कंट्रोलर के विभिन्न पदों की भर्ती

सांकेतिक सूचना

नीचे दी गई तालिका में दिए गए सेक्शन कंट्रोलर के पद के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 14.10.2025 है। सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही जमा किए जाने चाहिए।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

आवेदन शुरू होने की तिथि : 15.09.2025
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 14.10.2025 (23:59 घंटे)

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	प्रारंभिक (रू)	चिकित्सा मानक	01.01.2026 को आयु	कुल रिक्तियां (आरआरबी)
सेक्शन कंट्रोलर	6	35400	ए2	20–33	368

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरण सत्यापित करें, ताकि गैर–आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के हर चरण में विशेष विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा और अतिरिक्त देरी से बचा जा सके। आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन प्राप्त करने के लिए, आधार में नाम और जन्मतिथि को दसवीं कक्षा पास प्रमाण पत्र में उपलब्ध पूर्ण नाम और जन्मतिथि के साथ 100% मिलान करने के लिए अपडेट किया जाएगा। इसी तरह, ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार को नवीनतम फोटो और नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट और आईरिस) के साथ अपडेट करना होगा।

यह अधिसूचना पूरी तरह से सांकेतिक प्रकृति की है। पूर्ण विवरण के लिए, आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले विस्तृत सीईएन संख्या 04/2025 (सेक्शन कंट्रोलर) को अच्छी तरह से पढ़ें। विस्तृत सीईएन–04/2025 और उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय–समय पर नीचे सूचीबद्ध आरआरबी की वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।

सीएन संख्या 04/2025 में भाग लेने वाले सभी आरआरबी वेबसाइटें निम्नलिखित हैं

Ahmedabad www.rrbahmedabad.gov.in	Guwahati www.rrbguwahati.gov.in	Prayagraj www.rrbald.gov.in
Ajmer www.rrbajmer.gov.in	Jammu Srinagar www.rrbjammu.nic.in	Ranchi www.rrbranchi.gov.in
Bhopal www.rrbbhopal.gov.in	Kolkata www.rrbkolkata.gov.in	Secunderabad www.rrbsecunderabad.gov.in
Bhubaneswar www.rrbbbs.gov.in	Malda www.rrbmalda.gov.in	Siliguri www.rrbsiliguri.gov.in
Bilaspur www.rrbbilaspur.gov.in	Mumbai www.rrbmumbai.gov.in	Bengaluru www.rrbbnc.gov.in
Chandigarh www.rrbcdg.gov.in	Muzaffarpur www.rrbmuzaffarpur.gov.in	Gorakhpur www.rrbgkp.gov.in
Chennai www.rrbchennai.gov.in	Patna www.rrbpatna.gov.in	Thiruvananthapuram www.rrbthiruvananthapuram.gov.in

संख्या आरआरबी/अज/एडीवीटी/04/2025
दिनांकः 13.09.2025

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, सांभर लेक जिला जयपुर (राज0)

E-Mail:-sambharnagarpalika@gmail.com Phone No. 01425-228245

क्रमांकः– न.पा.सा./भू.वि./2025–26/1299 दिनांक :– 10.09.2025

ई–ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड भूमि नीलामी सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरीय क्षेत्र के नवीन न्यायालयों के पास सांभर–नावां बायपास सड़क मार्ग पर स्थित निकाय की आवासीय एवं व्यावसायिक योजना "जागेश्वर विहार" सांभर लेक में स्थित आवासीय/व्यावसायिक भूखण्डों का नीचे दर्शित भूखण्ड संख्या व साईज अनुसार निम्नांकित दिवसों में विक्रय किये जायेंगे। निलामी से सम्बन्धित नियम/शर्ते मानचित्र एवं निलामी से सम्बन्धित अन्य जानकारी https://lsgeauction.rajasthan.gov.in (SSO ID के माध्यम से) देखी जा सकती है। सम्पर्क सूत्र श्री दिनेश कुमार कावंत (9413238132) कनिष्ठ अभियन्ता एवं श्री गणेश नारायण शर्मा कनिष्ठ लिपिक (7568267461) नगरपालिका सांभर रहेगें। भूखण्ड जिस स्थान व जिस स्थिति में होगें उसी स्थिति में विक्रय किये जायेगें। जिनका विवरण निम्न हैं :–

क0 सं0	योजना का नाम	भूखण्ड/दुकान संख्या	नाप क्रमशः (भूखण्ड संख्या अनुसार वर्गगज में)	न्यूनतम निर्धारित दर प्रति वर्ग मीटर	तादाद	आवासीय/व्यावसायिक	धरोहर राशि प्रति भूखण्ड/दुकान	बोली प्रकिया/आवेदन शुल्क	निलामी तिथि
1	जागेश्वर विहार	S-1	23.34 वर्ग मीटर कॉर्नर	10000	07 दुकान	व्यावसायिक	25000	1000/– प्रति भूखण्ड	
		S-2	18.00 वर्ग मीटर						
		S-3	18.00 वर्ग मीटर						
		S-4	18.00 वर्ग मीटर						
		S-5	18.00 वर्ग मीटर						
		S-6	18.00 वर्ग मीटर						
		S-7	18.00 वर्ग मीटर						
2	जागेश्वर विहार	P. No.01	42.53 वर्ग मीटर	5000	08 प्लाट	आवासीय	10,000	1000/– प्रति भूखण्ड	06.10.2025 से 08.10.2025
		P. No.02	47.26 वर्ग मीटर						
		P. No.03	60.75 वर्ग मीटर						
		P. No.04	73.83 वर्ग मीटर						
		P. No.05	83.07 वर्ग मीटर						
		P. No.06	76.29 वर्ग मीटर						
		P. No.07	82.71 वर्ग मीटर						
		P. No.09	171.02 वर्ग मीटर (कॉर्नर)						
3	जागेश्वर विहार	P. No.10	140.38 वर्ग मीटर (कॉर्नर)	5000	04 प्लाट	आवासीय	10,000	1000/– प्रति भूखण्ड	
		P. No.11	83.98 वर्ग मीटर						
		P. No.12	79.08 वर्ग मीटर						
		P. No.13	88.19 वर्ग मीटर						
4	जागेश्वर विहार	P. No.14	80.86 वर्ग मीटर	5000	04 प्लाट	आवासीय	10,000	1000/– प्रति भूखण्ड	06.10.2025 से 08.10.2025
		P. No.15	68.94 वर्ग मीटर						
		P. No.16	54.60 वर्ग मीटर						
		P. No.17	49.86 वर्ग मीटर						
5	जागेश्वर विहार	P. No.18	82.66 वर्ग मीटर कॉर्नर	5000	7 प्लाट	आवासीय	10,000	1000/– प्रति भूखण्ड	
		P. No.19	80.92 वर्ग मीटर						
		P. No.20	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.21	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.22	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.23	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.24	128.20 वर्ग मीटर						
6	जागेश्वर विहार	P. No.25	108.51 वर्ग मीटर	5000	8 प्लाट	आवासीय	10,000	1000/– प्रति भूखण्ड	
		P. No.26	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.27	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.28	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.29	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.30	80.93 वर्ग मीटर						
		P. No.31	127.62 वर्ग मीटर कॉर्नर						
		P. No.33	62.89वर्ग मीटर						
		P. No.42	104.69 वर्ग मीटर						
		P. No.43	88.22 वर्ग मीटर						
		P. No.44	77.97 वर्ग मीटर						
		P. No.45	79.51 वर्ग मीटर						
		P. No.46	52.81 वर्ग मीटर						

ई– नीलामी संबंधित समय व दिनांक का विवरणः–

ई– नीलामी से संबंधित विवरण व शर्ते वेबसाईट https://lsgeauction.rajasthan.gov.in व ई– ऑक्शन एप्लीकेशन (E-Auction application) के माध्यम से देखी जा सकती है।

निलामी दिनांक 06.10.2025 से 08.10.2025 का विवरण

विवरण	दिनांक व समय
ई– नीलामी आवेदन डाउनलोड करने की तारिख	26.09.2025 रात 12 बजे से 05.10.2025 सायं 6.00 बजे तक
ई– नीलामी में भाग लेने हेतु अमानता राशि जमा करवाने की तारीख	29.09.2025 रात 12 बजे से 05.10.2025 सायं 6.00 बजे तक
ई–नीलामी की तारीख	06.10.2025 प्रातः 10.00 बजे से 08.10.2025 सायं 4.00 बजे तक

निलामी शर्ते :–

1. यह भूमि विक्रय राज.न.पा. भूमि निष्पादन नियम 1974 के नियम से संशोधन 2 के 2019 व उसके जारी परिपत्रों के अन्तर्गत की जा रही हैं।
2. इच्छुक बोलीदाता की अपनी स्वयं की SSO ID होना अनिवार्य है। निलामी बोलीदाता निलामी भागीदारी शुल्क एवं अमानता राशि अपनी SSO ID से G2c ऐप में LSG E-AUCTION लिंक पर अपनी प्रोफाईल बनाकर जमा करवाकर ही निलामी में भाग ले सकते है। निलामी से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट पर देखा जा सकता है।
3. बोली लगाने से पूर्व बोलीदाता को प्रत्येक भूखण्ड हेतु निर्धारित अमानता पृथक–पृथक जमा होने पर बोली में भाग ले सकेगें। उक्त धरोहर (अमानता) राशि ऑनलाईन ही जमा करवाना अनिवार्य होगा।
4. नीलामी बोली में कॉर्नर प्लाट पर अन्तिम नीलामी बोली की 10 प्रतिशत अतिरिक्त राशि देय होगी।
5. जिस व्यक्ति के नाम अमानता राशि की रसीद कटेगी। पालिका द्वारा उसी व्यक्ति के नाम का पट्टा जारी किया जायेगा। नाम में किसी प्रकार का संशोधन नही किया जायेगा।
6. उच्चतम बोली लगाने वाले को निलामी की दिनाँक से तीन कार्य दिवसों के भीतर अपनी बोली का 15 प्रतिशत राशि जमा करवाना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय सीमा के भीतर उक्त राशि जमा करवाने में विफलता के कारण बोलीदाता द्वारा जमा करवायी गई अमानता राशि जब्त कर ली जायेंगी और भूमि की निलामी स्वचालित रूप से रद्द मानी जावेगी।
7. सफल बोलीदाता द्वारा बोली का बकाया 35 प्रतिशत राशि निलामी तिथि से 120 दिनों के भीतर जमा करवाना अनिवार्य होग तथा शेष 50 प्रतिशत राशि नीलामी दिनांक से 180 दिनो में जमा करवाना अनिवार्य होगी। विफल रहने पर 18 प्रतिशत की दर से ब्याज सहित राशि जमा करवाना अनिवार्य होगा। बोली दाता डिमांण्ड नोटिस की तारीख से 15 दिवस के भीतर सम्पूर्ण राशि करवाता है तो 01 प्रतिशत की बोली राशि में छूट मिलेगी।
8. भूखण्ड आवासीय/व्यवसायिक 99 वर्षीय लीज होल्ड पर अरबन सेटलमेन्ट ग्राउण्ड रेंट के आधार पर विकय किये जायेगें। जिसकी लीज राशि आरक्षित दर पर व्यावसायिक की 5 प्रतिशत व आवासीय की 2.50 प्रतिशत नियमानुसार केता को जमा करानी होगी।
9. लीज–डीड शाश्वत पत्र का विधिवत पंजीयन करवाना अनिवार्य होगा जिसके स्टाम्प व नक्शा एवं रजिस्ट्री का व्यय केता का होगा
10. बोली को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्त्ता/अध्यक्ष एवं अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सांभर लेक के पास सुरक्षित रहेगा जिसका कारण बताना आवश्यक नहीं होगा
11. भूमी का मानचित्र एवं शर्ते प्रतिबन्धों व समस्त जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में देखी जा सकती है।
12. उपरोक्त भूखण्डों का क्षेत्रफल कम या ज्यादा होगा तो उसके आधार पर राशि जमा करानी होगी।
13. ई–निलामी बोली दौरान किसी भी भूखण्ड में किसी भी प्रकार का यदि कोई वाद–विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है तो उस भूखण्ड की बोली स्थगित/निरस्त करने का अधिकार अधिशाषी अधिकारी सांभर लेक में निहित होगा।
14. ई–निलामी बोली में असफल रहने वाले बोलीदाताओं की अमानता राशि 15 दिवस में स्वतः ही नगरपालिका द्वारा उनके खाते में स्थानान्तरित की जावेगी। असफल बोलीदाताओं को पृथक से कोई आवेदन करने की आवश्यकता नही होगी।
15. तीन वर्ष की अवधी के अन्दर नियमों के अन्तर्गत मानचित्र स्वीकृत कराकर केता को भवन निर्माण करना होगा। यदि तीन वर्ष की अवधी में भवन निर्माण नहीं कराया गया तो जमा करायी गयी राशि को बगैर लौटाये पालिका द्वारा राशि जब्त कर भूखण्ड को निरस्त कर अपने कब्जे में ले लिया जाकर पुनः निलामी की कार्यवाही की जावेगी।
16. ई–ऑक्शन में अधिकतम दर ही स्वीकार की जावेगी। उपरोक्त वर्णित भूखण्डों की निलामी बोली 100/–रू के गुणांक में बढाकर लगाये जाने पर ही स्वीकार होगी।
17. आवासीय भूखण्ड कि दर 5000 रूपये प्रति वर्गमीटर व व्यवसायिक भूखण्ड कि दर 10000 रूपये प्रति वर्गमीटर नियत है।
18. अन्य जानकारी के लिए कार्यालय नगर पालिका सांभर लेक में सम्पर्क करें। सम्पर्क सुत्र श्री गोपाल सिंह पंवार, सहायक लेखाधिकारी द्वितीय, नगर पालिका सांभर लेक (मो. नं. 9460501691)

नीलामी में भाग लेने हेतु आवश्यक निर्देश :–

1. नगर पालिका सांभर लेक द्वारा आयोजित आवासीय भूखण्डों की ई–नीलामी कार्यकम में भाग लेने हेतु नगर पालिका सांभर लेक की वेबसाईट पर जाने हेतु https://lsgeauction.rajasthan.gov.in पर क्लिक करें।
2. इसके पश्चात् ई–नीलामी में ऑनलाईन भाग लेने के लिए क्लिक करें– जिसके उपरान्त SSO ID विन्डो ओपन होगी।
3. SSO ID से Login कर Lsg-E-Auction Portal पर अपनी प्रोफाईल बनाकर नीलामी में भाग ले सकते हैं।
4. रजिस्ट्रेशन प्रकिया में किसी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए दूरभाष नं. श्री दलपत सिंह राठौड़, कनिष्ठ सहायक, 9549496666, श्री रणजीत रैबारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर (सविंदाकर्मी), 9351176961 पर सम्पर्क किया जा सकता हैं। ई–नीलामी पोर्टल पर आवेदक को अपनी बिडिंग प्रोफाईल, आवश्यकता अनुसार दस्तावेजों एवं सिस्टम द्वारा चाही गई सूचनाओं को अद्यतन (Upload) किया जाना होगा। अतः आवेदक से अपेक्षा की जाती है कि नीलामी में भाग लेने से पूर्व उक्तानुसार प्रकिया समय पर पूर्ण करना सुनिश्चित करें। प्रोफाईल अनुमोदित होने के पश्चात ही बोलीदाता नीलामी प्रकिया में भाग लेने योग्य होगा।
5. नीलामी से संबंधित नियम व शर्तो की जानकारी कार्यालय नगर पालिका सांभरलेक मं सम्पर्क कर एवं वेबसाईट https://lsgeauction.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/9805 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

केंद्रीय कानून मंत्री के बीकानेर में हाईकोर्ट की सर्किट बेंच की स्थापना संबंधी बयान का विरोध

जोधपुर के वकीलों का आक्रोश फूटा, न्यायिक कार्यों का बहिष्कार कर प्रदर्शन किया

- बीकानेर में सर्किट बेंच के मुद्दे पर आयोजित बैठक में कानून मंत्री के सोशल मीडिया पर वायरल हुए बयान पर चर्चा की गई
- बयान में मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की आगामी बीकानेर यात्रा के दौरान वहां हाईकोर्ट की सर्किट बेंच की स्थापना की बात कही गई थी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट और अधीनस्थ न्यायालयों के वकीलों ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के बीकानेर में हाईकोर्ट की सर्किट बेंच की स्थापना संबंधी बयान के विरोध में शुक्रवार को न्यायिक कार्यों का स्वैच्छिक बहिष्कार कर प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन और राजस्थान हाईकोर्ट लायर्स एसोसिएशन, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रतनाराम ठोलिया ने कहा कि सरकार ने करीब पांच दशक पहले जो भूल की थी, उसी तरह की दुबारा कोशिश को अधिवक्ता कामयाब नहीं होने देंगे। ऐसी किसी भी मंशा के खिलाफ तमाम अधिवक्ता एकजुट हैं और न्यायिक राजधानी की प्रतिष्ठा को कायम रखने के लिए हर स्तर पर आंदोलन के लिए तैयार हैं। वकीलों के कार्य बहिष्कार के कारण शुक्रवार को अदालतों में न्यायिक कामकाज प्रभावित हुआ है।

बीकानेर में सर्किट बेंच के मुद्दे पर अध्यक्ष रतनाराम ठोलिया और कार्यवाहक अध्यक्ष पिंटू पारिक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कानून मंत्री के सोशल मीडिया पर वायरल हुए बयान पर चर्चा की गई। इस बयान में मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की आगामी बीकानेर यात्रा के दौरान वहां हाईकोर्ट की सर्किट बेंच की स्थापना की बात कही गई थी। दोनों एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ताओं ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए आक्रोश व्यक्त किया। वकीलों ने कहा कि पांच दशक पहले जो भूल की थी, उसी तरह की दुबारा कोशिश को एडवोकेट कामयाब नहीं होने देंगे।

एडवोकेट्स एसोसिएशन के महासचिव शिवलाल बरवड़ और लॉयर्स एसोसिएशन के महासचिव मनीष टॉक ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि 12 सितंबर को सभी अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर मुख्यपीठ और समस्त अधिनस्थ न्यायालयों में व्यक्तिगत और वर्चुअल से उपस्थिति नहीं देंगे। न्यायिक कार्यों का स्वैच्छिक रूप से बहिष्कार किया जा रहा है। दोनों एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से रजिस्ट्रार जनरल को पत्र भेजकर निवेदन किया गया है कि 12 सितंबर को किसी भी प्रकरण में प्रभावी कार्यवाही न कराई जाए। इसके साथ ही सभी अधिवक्ताओं से भी अपील की गई है कि वे राजस्थान उच्च न्यायालय मुख्यपीठ के गौरव और प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने के लिए समस्त न्यायालयों में स्वैच्छिक रूप से उपस्थिति प्रदान न करते हुए सहयोग प्रदान करें।

बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने राजस्थान उच्च न्यायालय को अखंड रखने के लिए अपने विचार रखे। इनमें रवि भंसाली, जी.आर. पूनिया, राजेश जोशी, आर.के. थानवी, जगमालसिंह चौधरी, जे.एल. पुरोहित, संजीव जोहरी, मनीष सिसोदिया, धीरेन्द्र सिंह दासपा, दिलीपसिंह उदावत, मनोज भंडारी और डॉ. अशोक सोनी आदि वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल थे। बैठक में आगामी कार्यवाही के लिए एक कमेटी गठन का निर्णय भी लिया गया। एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ठोलिया ने चेतावनी दी कि यदि सरकार राजस्थान उच्च न्यायालय को खंडित करने का प्रयास करती है तो पश्चिमी राजस्थान के गौरव की रक्षा और न्यायिक राजधानी के हितों की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाने पड़ेंगे और न्यायिक कार्यों का अनिश्चितकाल के लिए बहिष्कार भी करना पड़ सकता है। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष महेंद्र सांडलिया ने जोधपुर के अधिवक्ताओं को सहयोग प्रदान करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री के व्यक्तव्य की भर्त्सना की। उन्होंने 12 सितंबर को राजस्थान उच्च न्यायालय बैंच जयपुर के न्यायिक कार्यों का बहिष्कार करने की घोषणा कर जोधपुर के अधिवक्ताओं को समर्थन दिया। शुक्रवार की बैठक में दोनों एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें उपाध्यक्ष धीरेन्द्र दाधीच, सहसचिव विजेन्द्र पुरी और ऋषि सोनी, पुस्तकालय सचिव कांता राजपुरोहित और चिरांग खत्री, कोषाध्यक्ष विमल कुमार माहेश्वरी और शुभम मोदी, एडवोकेट दिनेश जैन सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता थे।

खारी नदी में डूबे छात्र का शव मिला

शुक्रवार सुबह एनडीआरएफ की टीम ने शव निकाला

- ग्रामीणों ने करीब 24 घंटे तक छात्र को ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शंभूगढ़ थाना क्षेत्र में गजसिंहपुरा गांव के पास गुरुवार शाम तीन बजे खारी नदी में डूबे 17 वर्षीय छात्र सुशील मेघवंशी का शव 26 घंटे बाद मिल पाया है।

शंभूगढ़ थाना क्षेत्र के गजसिंहपुरा निवासी सुशील मेघवंशी गुरुवार शाम को स्कूल की छुट्टी के बाद दो दोस्तों के साथ ट्यूशन की कहकर घर से निकला था, जो खारी नदी में डूब गया। जिससे से दो दोस्तों को ग्रामीणों ने नदी से बचा लिया, जिसके बाद एक की लगातार तलाश जारी थी। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचे और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने करीब 24 घंटे तक छात्र को ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद, शुक्रवार सुबह एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम ने आधुनिक उपकरणों की मदद से नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

शंभूगढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि लगातार अभियान जारी है, जल्द ही सफलता मिल जाएगी। वहीं छात्र सुशील मेघवंशी के पिता जगदीश मेघवंशी जो पैर से दिव्यांग है, उन्होंने बताया कि छात्र घर से ट्यूशन के लिए निकला था, लेकिन अभी तक नहीं लौटा। बताया कि वो कक्षा 11 में पढ़ाई करता है। इससे बड़ा पुत्र वो कक्षा 12 में पढ़ाई करता है। ये सुशील मेघवंशी सबसे छोटा पुत्र है वहीं खारी नदी के पास ही उनके खेत है। ग्रामीण बारनी निवासी जीवण गुर्जर ने बताया कि कल शाम चार बजे खारी नदी से दोनों छात्र पारस भील और प्रकाश गुर्जर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। वहीं तीसरे की तलाश 26 घंटे बाद पूरी हुई।

इंग्लिश मीडियम स्कूलों में हिंदी माध्यम का विकल्प भी, आदेश जारी

- राज्य के 98 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अब हिंदी मीडियम के विद्यार्थी भी प्रवेश ले सकेंगे
- इन स्कूलों में हिंदी माध्यम का संचालन शैक्षणिक सत्र 2025-26 से किया जाएगा

बीकानेर, (निसं)। राज्य के 98 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अब हिंदी मीडियम के विद्यार्थी भी प्रवेश ले सकेंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इस संबंध में तीन बिंदुओं की गाइडलाइन संयुक्त निदेशक और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी की है।

गाइडलाइन के मुताबिक बीकानेर सहित राज्य के 28 जिलों के 98 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अब विद्यार्थियों को इंग्लिश मीडियम के साथ-साथ हिंदी मीडियम में पढ़ने का विकल्प मिलेगा। इन स्कूलों में हिंदी माध्यम का संचालन शैक्षणिक सत्र 2025-26 से किया जाएगा। इन 98 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों से संबंधित जिन ग्राम पंचायत में हिंदी माध्यम का उच्च माध्यमिक स्तर का विद्यालय नहीं है। वहां हिंदी माध्यम की कक्षाओं का भी संचालन किया जाएगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में अंग्रेजी माध्यम की कक्षाओं का अध्यापन कार्य करवाने वाले शिक्षक ही हिंदी माध्यम की कक्षाओं के विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे। 28 जिलों की 98 स्कूलों में बीकानेर की दो स्कूलों का नाम शामिल है। जिसमें से एक लूणकरणसर और दूसरी खाजूवाला ब्लॉक में है।

अजमेर : आनासागर झील के किनारे बने सेवन वंडर पार्क को तोड़ने की कार्रवाई शुरु

अजमेर शहर को स्मार्ट सिटी बनाने व पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करीब 12 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए थे सात अजूबे

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर को स्मार्ट सिटी बनाने व पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत ऐतिहासिक आनासागर झील के भराव क्षेत्र में करीब 12 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए सात अजूबों (सेवन वंडर पार्क) पर सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के आदेशों की पालना करते हुए बुलडोजर से शुक्रवार सुबह अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई। कार्यवाही के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। वहीं मीडिया को भी अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर 17 सितंबर तक सेवन वंडर तोड़ने की समय सीमा तय की थी।

पहले तोड़ा रोम कोलोसियम:- सेवन वंडर में कार्यवाही के लिए भारी भरकम क्रेन, पोकलेन मशीन और जेसीबी मशीनें लाई गई। एडीए टीम ने सबसे पहले रोम के कोलोसियम की प्रतिकृति को तोड़ा। जेसीबी और मजदूरों की मदद से इसे मलबे में तब्दील कर दिया गया। इसके बाद मिस्र के पिरामिड की फर्श तोड़ने का काम भी शुरू किया गया। ताजमहल, एफिल टॉवर और पीसा की झुकी हुई मीनार पर अभी काम शुरू नहीं हुआ है।

भारी भरकम क्रेन, पोकलेन मशीन और जेसीबी मशीनों से सेवन वंडर तोड़ने की कार्रवाई शुरु की।

याचिकाकर्ता की दलील और कोर्ट का रुख:-आनासागर झील के आसपास वेटलैंड खत्म करने और मास्टर प्लान की अवहेलना को लेकर पूर्व पार्षद अशोक मलिक ने 11 मार्च 2023 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में रिट लगाई थी। 11 अगस्त 2023 को एनजीटी की भोपाल बेंच ने अपने आदेश में सेवन वंडर्स पार्क, पटेल स्टेडियम, गांधी स्मृति उद्यान और झील के चारों ओर बने फूड कोर्ट को ध्वस्त करने का आदेश दिए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई थी फटकार:- एनजीटी ने माना था कि वेटलैंड खत्म करने और मास्टर प्लान की अवहेलना कर निर्माण किया गया था। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में कहा कि आप की कार्यप्रणाली से ऐसा नहीं लगता कि आप अजमेर को स्मार्ट बनाना चाहते हो, हमें आश्चर्य है कि शहर में जल निकायों, आद्र भूमि (वेटलैंड) की सुरक्षा के बिना कोई शहर कैसे स्मार्ट बन सकता है और जल निकायों, आद्र भूमि (वेटलैंड) पर अतिक्रमण करके शहर कैसे स्मार्ट बन सकते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोर्ट के आदेश की पालन की जा रही है। 17 सितंबर तक पूरी संरचना हटाना हैं।

- प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर 17 सितंबर तक सेवन वंडर तोड़ने की समय सीमा तय की थी

26 दिसंबर 2020 को जारी हुई थी निविदा:- स्मार्ट सिटी लिमिटेड के तहत 10.5 करोड़ की लागत की निविदा जारी की गई थी। तकनीकी प्रक्रिया पूरी करने के बाद वर्क ऑर्डर जारी किए गए थे। समय के साथ प्रोजेक्ट की लागत बढ़ी। ये प्रोजेक्ट करीब 11.64 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया गया। इस पार्क में ताजमहल, एफिल टॉवर, मिस्र के पिरामिड, पीसा की झुकी मीनार, रोम का कोलोसियम, न्यूयॉर्क का स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी और ब्राजील का रियो डी जेनेरियो की क्राइस्ट दी रिडीमर प्रतिमाएं लगाई गई थीं। तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2022 में इसका उद्घाटन किया था। मार्च 2025 में सबसे पहले स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी को हटाने की कवायद की गई थी। यहां उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक आनासागर झील के भराव क्षेत्र में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बनाए गए सेवन वंडर्स पार्क को लेकर दो साल से ज्यादा समय तक मामला कानूनी दाव पेच में उलझा रहा, आखिरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब तोडने की कार्यवाही शुरू हुई।

अशोक मलिक, याचिकाकर्ता का कहना है कि 17 मार्च 2025 को चीफ सेक्रेटरी ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा पेश किया था, उसकी पालना में ही यह सेवन वंडर तोड़ने की कार्रवाई की जा रही है। इसका निर्माण करते समय प्रशासन ने मिट्टी भरी और आनासागर का भराव क्षेत्र का दायर कम कर दिया, प्रशासन को मिट्टी को खोदकर आनासागर का भराव क्षेत्र सड़क तक लाया जाए, उन्होंने साथ ही 39 अवैध निर्माण किए गए हैं, उनको भी तोड़ा जाए।

एयरफोर्स जवान को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी

अजमेर, (कासं)। अजमेर निवासी पश्चिम बंगाल के हासीमारा एयरफोर्स स्टेशन पर तैनात वायुसेना के जवान पुलकित नाथ की गोली लगने से मौत हो गई। शुक्रवार सुबह जवान का पार्थिव शरीर अजमेर पहुंचा तो पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई। सेना के जवानों ने उन्हें अंतिम विदाई देते हुए गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम सैल्यूट दिया। सैन्य जवान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

अजमेर कोटड़ा निवासी पुलकित नाथ 9 सितंबर को गोली लगने की घटना के शिकार हुए थे। एयरफोर्स अधिकारियों ने 10 सितंबर को परिवार को सूचना दी थीं, पार्थिव देह दिल्ली से सेना वाहन में शुक्रवार सुबह अजमेर पहुंची, जहां कोटड़ा स्थित घर पर जवान की पार्थिव देह अंतिम दर्शन के लिए रखी गई। इसके बाद पार्थिव देह को राम नगर के पैतृक घर लाया गया,जहां पुलकित के घर पार्थिव देह पहुंचते ही चीख-पुकार मच गई। पिता राजेंद्र प्रसाद, मां और दो बहनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अंतिम यात्रा बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार, प्रशासनिक अधिकारी व शहरवासी शामिल हुए।

पुलकित नाथ ने बीटेक करने के बाद 2018 में एयरफोर्स जॉइन की थी। वे हाल ही में छुट्टी पर आए थे और 5 सितंबर को बहनों के साथ जयपुर में जन्मदिन भी मनाया था।

कुछ दिनों बाद ही ड्यूटी पर लौटे थे। गोली लगने के कारण की जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। अंतिम यात्रा के दौरान एयरफोर्स के जवानों ने पुलकित नाथ को अंतिम सलामी दी। राम नगर स्थित श्मशान घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। जवान के पिता ने बताया कि पुलकित पढ़ाई में काफी होशियार थे।

एनिकट में डूबने से किशोरी की मौत

उदयपुर, (निसं)। एनिकट में नहाने के दौरानपानी में डूबने से किशोरी की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुराबड़ थाना क्षैत्र उमरड़ा निवासी लता कुमारी (13) पुत्री लालूराम मीणा की दामाखेड़ा एनिकट खारवा में नहाने गई थी, जहां पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक को बाहर निकाल कुराबड चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया है, जिसका शनिवार को पोस्टमार्टम होगा। लता कुमारी खारवा दामा खेड़ा निवासी अपने मौसा हवजी के यहां पर गत चार पांच माह से रह रही थी। दोपहर में वह एनिकट पर नहाने गई थी। वहीं कुराबड़ थाना क्षैत्र कोट गांव निवासी वालचंद (26) पुत्र रूपाजी डांगी ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया। जिसकी तबीयत खराब होने पर परिजनों ने एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई।

बंदी की मौत : उदयपुर के एमबी चिकित्सालय में उपचाररत बंदी की मौत हो गई। उदयपुर केन्द्रीय कारागृह में चार वर्ष की साधारण कारावास की सजा काट रहे बंदी बोडामली थाना धंबोला डूंगरपुर निवासी सुरेश पुत्र लक्ष्मण मीणा की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। सुरेश 22 अगस्त 2025 से जेल में सजा काट रहा था। जिसकी तबीयत खराब होने पर उसे 7 सितंबर को उपचार के लिए भर्ती करवाया था।

अवैध शराब से भरी कार जब्त, एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। ऋषभदेव थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध शराब से भरी कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उपाधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में ऋषभदेव थाना पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाकाबंदी के दौरान कार को रोक तलाशी ली, जिसमें 5 कर्टन शराब के पाए गए। इस पर कार मय शराब जब्त कर आरोपी विनोद कुमार पुत्र गणेशलाल निवासी निचला आमला मांडवा ऋषभदेव को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

16 लाख की नगदी से भरी एटीएम मशीन उखाड़ ले गये बदमाश

गार्ड के साथ मारपीट कर स्प्रे का छिड़काव कर बेहोश किया और हाथ-पैर बांध दिये

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाश ड्यूटी पर तैनात गार्ड को बंधक बनाकर करीब 16 लाख 47 हजार की नगदी से भरी एसबीआई बैंक की एटीएम मशीन को उखाड़ कर साथ ले गये। स्कार्पिओ में सवार बेखौफ बदमाश केवल आठ मिनिट में ही लूट की वारदात को अंजाम तक पहुंचाकर फरार हो गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाश रात्रि करीब ढ़ाई बजे रूपनगढ़ रोड़ विश्वकर्मा स्कूल के सामने स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम बूथ में घुस गये और गार्ड बालकिशन शर्मा के साथ मारपीट कर स्प्रे का छिड़काव कर बेहोश कर दिया। साथ ही हाथ पैर मुंह बांध दिये। एटीएम मशीन के बारे में पूरी जानकारी रखने वाले शातिर बदमाशों ने बिजली प्लग हटाकर गैस कटर का उपयोग कर महज आठ मिनिट में मशीन को पट्टे से खींच स्कार्पियों में रख दिया। वारदात का अहम पहलू यह कि जिस अंदाज कार्यशैली के जरिये बदमाशों ने नगदी लूटी, निश्चित तौर पर यह पहले से एटीएम मशीन तोड़ने के लिये ट्रेनिंग ले चुके थे। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने तत्काल घटना स्थल का मौका मुआयना कर हर पहलू की बारीकी से जांच पड़ताल की। बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज सहित एफएसएल टीम द्वारा जुटाये गये साक्ष्य को जांच के दायरे में शामिल कर लिया है। अहम सुराग हाथ लगने पर बदमाशों को पकड़ने के लिये विभिन्न पुलिस टीमें गठित कर संभावित स्थानों पर रवाना की गई। गांधीनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एफएसएल टीम और पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की।

केन्द्रीय रेलमंत्री को फुलेरा जंक्शन पर धीमी गति से चल रहे कार्यों से अवगत कराया

- फुलेरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष के नेतृत्व में शिष्टमंडल की ओर से केंद्रीय रेलमंत्री अश्विन वैष्णव को जयपुर में ज्ञापन दिया
- फुलेरा जंक्शन को "अमृत भारत योजना" में जोड़कर जंक्शन का जीर्णोद्धार/विस्तार/ पुनर्विकास के लिए धन्यवाद भी दिया

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहुजा के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल की ओर से केंद्रीय रेलमंत्री अश्विन वैष्णव के जयपुर जंक्शन के नवीन प्रवेश द्वार गेट सं. 2 के उद्घाटन अवसर पर भेंट कर ज्ञापन प्रेषित किया गया। यह ज्ञापन फुलेरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहूजा व वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक तिवाड़ी ने दिया।

ज्ञापन में बताया कि फुलेरा जंक्शन को "अमृत भारत योजना" में जोड़कर जंक्शन का जीर्णोद्धार/ विस्तार/ पुनर्विकास के लिए धन्यवाद देते हुए धीमी गति से चल रहे कार्यों पर चिंता भी जताई। साथ ही उन्होंने बताया कि फुलेरा जंक्शन पर यात्रियों व स्टॉफ को उपलब्ध पेयजल में टीडीएस की मात्रा अधिक होने पर भी मजबूरन वही जल पीना पड़ रहा है, यहां जोधपुर जंक्शन की तर्ज पर सेंट्रलाइज वाटर फिल्टर स्थापित करवाया जाए। अमृत भारत योजना के तहत रेलवे करोड़ों रुपए लगाकर फुलेरा जंक्शन के सौंदर्यकरण पर खर्च कर रहा है, परंतु मुख्य प्रवेश द्वार की चौड़ाई मात्र 10 फीट है, जिसके कारण प्लेटफॉर्म पर आवागमन बाधित रहता है। प्रवेश द्वार को अविलंब चौड़ा करवाया जाना आवश्यक है। ज्ञापन में बताया कि फुलेरा जंक्शन को वर्ष 2023 में इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव शेड की सौगात प्रदान की गई थी, जिससे समस्त व्यापारी व आमजन में खुशी की लहर थी, परंतु विभाग द्वारा अभी तक प्रेषित इस सौगात को किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंचाया गया, जिसका अभिलम्ब अग्रिम आदेश दिया जाये। फुलेरा जंक्शन तक आने के लिए यात्रियों को ऑटो, निजी वाहनों से आना पड़ता है, परंतु इतने बड़े जंक्शन पर ना ऑटो स्टैंड है ना ही कार पार्किंग व्यवस्था की समुचित व्यवस्था है।

ज्ञापन में बताया कि प्लेटफार्म नं 1 पर पुराने फुट ओवरब्रिज के स्थान पर नवीन ओवरब्रिज स्वीकृत कर हमें संजीवनी प्रदान करी थी व कहा था कि यह पूर्ण सुविधायुक्त होगा। परंतु इसका कार्य कछुआ चाल से चल रहा है। रेल की रिक्त पड़ी लगभग 61 बीघा (एक लाख छ हजार यार्ड) जमीन का उपयोग ईएमयू ओर वन्दे भारत की मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करवाकर किया जाना चाहिए। फुलेरा की रामलीला पूर्ण भारत वर्ष में लोकप्रिय है, जो कि 100 वर्षों से अधिक समय से प्रतिवर्ष संचालित होती है। इस मैदान को रेल रिकॉर्ड में रेलवे रामलीला संस्कृतिक मैदान घोषित कर इसकी बाउंड्रीवाल व स्टेज का निर्माण कार्य पूर्ण करवाया जाएं। वहीं ज्ञापन में बताया कि ट्रेन संख्या 20843/ 44456, 20914/ 20913 और 22175/ 22176 का वाणिज्यिक ठहराव जो कोरोना काल में बंद कर दिया गया था, उक्त ट्रेनों का पुन: ठहराव घोषित किया जाए, जिससे हमारे दैनिक व रेलयात्रियों के लिए सुखद साबित होगा।

केन्द्रीय रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव जयपुर पर पहुंचे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध की मौत

उदयपुर, (निसं)। घर से स्कूल जाते समय अज्ञात वाहन ने राह चलते वृद्ध को चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सविना थाना क्षैत्र में अज्ञात वाहन ने राह चलते धोल की पाटी सविना निवासी सोमा (65) पुत्र गोतम मीणा को चपेट में ले लिया। सोमा धानमण्डी स्थित निजी स्कूल में चपरासी के पद पर काम करता था एवं शुक्रवार सवेरे पैदल पैदल वह रोड़ पर आ रहा था, जहां बीच रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर घायल होने पर एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर एएसआई रामनाथ ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सोंप दिया।

आक्रोशित भीड़ ने टीचर को पीटा : भीलवाड़ा जिले के बागौर थाना क्षेत्र में एक टीचर को धर्म विरोधी पाठ पढ़ाना भारी पड़ गया। आक्रोशित भीड़ ने टीचर की धुनाई कर दी और तो और हिंदुवादी नेता विरोध में उतर आये हैं। इधर, शिकायत पर पुलिस टीचर को लेकर थाने चली गई। ताजा मामला मांडल के लेस्वा ग्राम पंचायत का है। धर्म विरोधी पाठ पढ़ने वाले शिक्षक रणवीर पर आरोप लगे हैं। भगवान का चित्र नहीं बनाने और सिर में चोटी नहीं रखने जैसी बातें सामने आने पर ग्रामीण विरोध में उतर आए। बाद में आक्रोशित भीड़ ने टीचर की धुनाई कर दी।

सार-समाचार

30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

राजलदेसर । निकटवर्ती ग्राम पंचायत परसने ऊ धाम में हनुमान भक्त संत शिरोमणि अखाराम दादा जी महाराज के समाधि दिवस पर दो दिवसीय विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए मंदिर के पुजारी जगदीश, किशन ,श्रवण ने बताया दिनांक 11 सितंबर रात्रि को मंदिर परिसर में विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें स्थानीय एवं बाहर के कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई साथ ही सर्वाधिक दादा चालीसा का पाठ करने वाले पांच भक्तों को पितामह कृपा रत्न से सम्मानित किया इसके अलावा 2100 से अधिक दादा चालीसा का पाठ करने वाले भक्तों को अक्षय कृपा रत्न से सम्मानित किया गया सम्मानित किया गया वही शुक्रवार प्राप्त दादाजी महाराज की महा आरती,विशेष श्रृंगार, ज्योत का आयोजन हुआ उसके बाद दादाजी महाराज को 31 किलो लापसी का भोग लगाया गया साथ ही भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया इसके अलावा मंदिर परिसर में दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए शानदार व्यवस्था देखने को मिली साथ ही मंदिर परिसर के बाहर मेला भी लगाया गया जिसमें सैकड़ो प्रकार की स्टॉल लगाई गई।

अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह में होंगे विविध कार्यक्रम

रतनगढ़ (निसं)अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशन में आगामी 1 से 7 अक्टूबर तक मनाए जाने वाले अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अंतर्गत अणुव्रत समिति, रतनगढ़ द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समिति मंत्री नरेंद्र स्वामी ने बताया कि स्थानीय जैन परिषद भवन में हुई कार्यसमिति की बैठक में अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा अध्यक्ष मोतीलाल तातेड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय किया गया कि अणुव्रत प्रेरणा दिवस हनुमान बालिका विद्यालय में, अहिंसा दिवस तेरापंथ भवन में, सांप्रदायिक सौहार्द दिवस नवोदयन किड्स एकेडमी में, पर्यावरण शुद्धि दिवस एम जी जी एस पंडितपुर में, नशामुक्ति दिवस आदिनाथ जैन भवन में, अनुशासन दिवस प्रकाश पाठशाला में और जीवन विज्ञान दिवस संचियालाल बैद आदर्श विद्या मंदिर में उत्साहपूर्वक मनाए जाएंगे।

अन्न बचाओ खुशहाली व समृद्धि लाओ कार्यक्रम हुआ

झुंझुनूं। स्थानीय जिला मुख्यालय स्थित एसीआई उ.मा.वि स्कूल और कोचिंग संस्थान में अन्नदेव व अन्नदाता के सम्मान में अन्न बचाओ अभियान सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डॉ. पितराम गोदारा के कुशल नेतृत्व में आयोजित हुआ। गोदारा ने अन्न के महत्व को पौराणिक काल से वर्तमान एवं भविष्य काल तक के सन्दर्भ में आंकड़ों सहित प्रस्तुत किया। उन्होंने वर्तमान समय में हो रही फिजूलखर्ची पर करारा व्यंग्य करते हुए कहा कि धन के साथ-साथ आज मानव अन्नदेव और अन्नदेवता का भी अपमान कर रहा है। अन्न का हर कण-कण बचाकर हमें इस दुरूपयोग को कम करना है। थाली में उतना ही भोजन लेवें जितना आवश्यक हो, झुठा ना छोड़े आज मनुष्य औसतन 20 से 30 प्रतिशत भोजन झूठन के रुप में छोड़ रहा है। जो धन का दुरुपयोग है साथ ही मध्यम वर्ग के लिए भंयकर समस्या प्रस्तुत कर रहा है। हमें इस फिजूलखर्ची सें बचना होगा और अन्न के हर कण का सदुपयोग कर नव जागर्ति का संचार करना है। राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित गोदारा ने अन्न बचाने एवं झूठन न छोड़ने की शपथ उपस्थित शिक्षकों-विद्यार्थियों को दिलाई। संस्था निदेशक मनोज शर्मा विकास शर्मा ने अभियान के वर्तमान आर्थिक परिपेक्ष्य में अपने विचार व्यक्त किए।

फर्जी पट्टों के पंजीयन मामलें में सरपंच ने की गिरफ्तारी की मांग

■ फर्जी पट्टों के पंजीयन मामले में आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग

पाटन (निसं)। ग्राम पंचायत गुहाला में सरकारी भूमि के फर्जी पट्टों के पंजीयन का गंभीर मामला सामने आया है। इस पूरे प्रकरण को लेकर ग्राम पंचायत गुहाला की वर्तमान सरपंच एवं प्रशासक श्रीमती सुनिता चौहान ने श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक, रेंज सीकर को एक विस्तृत शिकायत पत्र भेजते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।सरपंच सुनिता चौहान का आरोप है कि नीमकाथाना पंजीयन कार्यालय में कार्यरत पंजीयन बाबू अवधेश सोनी ने ग्राम पंचायत गुहाला के कुछ व्यक्तियों के साथ मिलकर षड्यंत्रपूर्वक फर्जी पट्टों का निर्माण किया और अवैध रूप से उनका पंजीयन भी करवा दिया। आरोप है कि इन पट्टों के पीछे मोटी रकम वसूली गई है और पंजीयन कार्यालय में वर्षों से इस प्रकार की अवैध गतिविधियां चुपचाप चल रही हैं।सरपंच के अनुसार, दिनांक 06 जून 2023 को उन्हें फर्जी पट्टों के पंजीयन की सूचना प्राप्त हुई।

इसके बाद उन्होंने 16 जून को आरटीआई के तहत नकल प्राप्त करने के लिए आवेदन किया। जब रिकॉर्ड प्राप्त हुआ तो स्पष्ट हो गया कि पंजीयन कार्यालय में जो पट्टे रजिस्टर्ड हुए हैं, उनका ग्राम पंचायत रिकॉर्ड में कोई उल्लेख नहीं है।पट्टा संख्या 09 और 07 (दिनांक 05.08.2013) की नकल मिलने के बाद यह खुलासा हुआ कि जिन भूखण्डों पर पंजीयन हुआ है, वे भूखंड पंचायत की सार्वजनिक भूमि में आते हैं और ग्राम पंचायत ने कभी कोई वैध पट्टा जारी नहीं किया।प्रकरण में पहले ही एफआईआर संख्या 427/2023 थाना सदर नीमकाथाना में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471, और 120बी के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया जा चुका है।

हालांकि, सरपंच का आरोप है कि जाँच अधिकारी ने मामले में सही तरीके से अन्वेषण नहीं किया और आरोपियों को बचाने का प्रयास करते हुए एफआर लगाने की तैयारी कर रहा है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि जाँच अधिकारी ने आरोपियों के साथ मिलकर झूठे दस्तावेजी साक्ष्य एकत्रित किए और शिकायतकर्ता को गुमराह किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिन व्यक्तियों के नाम फर्जी पट्टों में शामिल हैं, वे हैं - जितेन्द्र कनवा, रूकसाना, अब्दुल रसीद, और अब्दुल वहीद - सभी निवासी ग्राम गुहाला के रहने वाले हैं। सरपंच का दावा है कि इन सभी ने पंजीयन बाबू अवधेश सोनी के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह के रूप में कार्य किया और वर्षों से पंचायत की भूमि पर कब्जे के प्रयास किए।

सरपंच ने मांग की है कि सिर्फ इस एक प्रकरण की ही नहीं, बल्कि गत पाँच वर्षों में ग्राम पंचायत गुहाला के नाम से हुए सभी पंजीयनों की विधिसम्मत जाँच कराई जाए ताकि अन्य फर्जीवाड़ों का भी खुलासा हो सके।इस खुलासे के बाद ग्राम पंचायत गुहाला सहित क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इन मामलों की निष्पक्ष जांच नहीं की गई, तो आमजन की सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे की घटनाएं बढ़ती रहेंगी। सरपंच श्रीमती सुनिता चौहान ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे इस मामले में अंतिम न्याय मिलने तक संघर्ष करती रहेंगी और दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाकर ही दम लेंगी।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

हनुमानगढ़, (निसं.)। राजकीय मेडिकल कॉलेज, हनुमानगढ़ में गुरुवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. कीर्ति शेखावत ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा आत्महत्या जैसी गंभीर प्रवृत्तियों को जन्म देती है, अत: विद्यार्थियों और समाज में सकारात्मक सोच, संवाद एवं सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देना आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ. ओ.पी. सोलंकी ने आत्महत्या रोकथाम के विभिन्न उपायों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम में डॉ. स्मिता यादव ने भी ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर एसकेडी यूनिवर्सिटी के एम.फिल. प्रशिक्षु छात्रों ने आत्महत्या रोकथाम पर आधारित एक प्रभावशाली नाट्यय प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा। कार्यक्रम में फैकल्टी सदस्य एवं मेडिकल छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में मौजूद रहे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य आत्महत्या रोकथाम के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना और समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर व्यापक जागरूकता फैलाना रहा।

बाढ़ पीड़ित लोगों के लिए राहत सामग्री भेजी

■ उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार की उपस्थिति में समाज के गणमान्य लोगों ने राहत सामग्री भरे ट्रकों को रवाना किया

तारानगर। तारानगर के मुस्लिम समाज के लोगों ने पंजाब में बाढ़ पीड़ित लोगों के लिए दो बड़े ट्रक राहत सामग्री भेजी। उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार की उपस्थिति में समाज के गणमान्य लोगों ने राहत सामग्री भरे ट्रकों को रवाना किया।

मोहम्मद तैयब ने बताया कि भेजी जा रही राहत सामग्री में 500 गद्दे, 511 कंबल, 30 क्विंटल आटा, 25 क्विंटल चावल, 500 लीटर खाद्य तेल, 3600 पानी की बोतल, 12 सौ कार्टून बिस्किट आदि भेजे गए हैं। भामाशाह जमरदीन तेली ने बताया कि उक्त राहत सामग्री पंजाब के लुधियाना में भेजी जा रही है जो शाही इमाम को सुपुर्द की जाएगी एवं जहाँ से बाढ़ पीड़ितों को वितरित की जाएगी इस मौके पर जमरदीन तेली, रजाक खाँ टाक, यासीन हिसारिया, हाज़ी रफीक बाबू हुसैन कुरैशी, एडवोकेट साजिद खान, यूनस, फारूक मिस्त्री, महबूब गौरी, सलीम हिसारिया, साजिद टाक, अकरम बिसायती, मुस्तफा खोकर, अदरीश बिसायती, दाऊद लुहार सहित मुस्लिम समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रामलीला मंचन को लेकर पूर्वाभ्यास शुरू

चूरू। स्थानीय रेलवे कॉलोनी में श्री हनुमान कला मंदिर चूरू की ओर से 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक रामलीला का मंचन किया जाएगा। रामलीला मंचन को लेकर समिति के पदाधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी है। समिति के रमेश शर्मा ने बताया कि गुरुवार से रामलीला का पूर्वाभ्यास शुरू कर दिया है। शर्मा ने बताया कि आज रावण नंदी संवाद, लक्ष्मण परशुराम संवाद, अंगद रावण का अभ्यास किया गया, जिसमें अमित राज पांडे-राम, अमित पांडे-लक्ष्मण, हर्ष वाधवार्नी-सीता, यतेंद्र लाटा-परशुराम, महिपाल सिंह-रावण, नंदकिशोर बरोड़-नंदी, प्रमोद गौड़-राजा जनक की भूमिका अदा करेंगे। रामलीला का मंचन हरि कृष्ण रवि के मार्गदर्शन में होगा।

27 दिन बाद कब्र से निकाला शव, मृतक के बेटे ने लगाया 12 लोगों पर हत्या का आरोप

रतनगढ़((निसं)रतनगढ़ में एक व्यक्ति का शव कब्र से 27 दिन बाद वापस निकाला गया है। अब बॉडी का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड करेगा, इसके बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

दरअसल, मृतक के बेटे ने 12 लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए कोर्ट में इस्तगासा दायर किया था, इसके बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि गत 17 अगस्त को दफनाए गए 50 वर्षीय महबूब खान के शव को शुक्रवार को पुलिस ने 27 दिन बाद कब्र से बाहर निकलवाया। यह कार्रवाई मृतक के बेटे इमरान द्वारा कोर्ट में दायर इस्तगासे के बाद हुई है। थानाधिकारी ने बताया कि मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया, जिसकी मौजूदगी में शव को कब्र से बाहर निकाला गया। महबूब खान के शव को अब रतनगढ़ के जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है, जहां उसका पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड द्वारा किया जाएगा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा। यह मामला तब सामने आया जब मृतक के बेटे इमरान ने 12 लोगों के खिलाफ पिता की हत्या का रतनगढ़ थाना में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि गत 17 अगस्त को इमरान के ननिहाल पक्ष के लोग उनके घर आए और बुरी आत्मा का साया हटाने के बहाने तांत्रिक क्रियाएं शुरू कर दीं। दावा है कि उन्होंने पहले इमरान पर तांत्रिक क्रियाएं की, फिर उनके पिता महबूब खान को फोन करके बुलाया। बेटे का आरोप है कि महबूब खान को जबरन मिर्च का पानी पिलाया गया, आंखों में मिर्च डाली गई और कानों में तेल से भरी रुई डाली गई, विरोध करने पर उन्हें एक पानी से भरे टब में मुंह ढककर डुबो दिया गया, जिससे उनकी मौत हो गई। बेटे ने जब विरोध किया, तो उसे धमकाया गया। अब बॉडी का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड करेगा, इसके बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

कार्यालय नगरपरिषद, चूरू (राजस्थान)

क्रमांक : न.प./चूरू/भूमि / 2025-26/ दिनांक : हस्ताक्षरित दिनांक

सार्वजनिक विज्ञप्ति (आपति आमन्त्रण-पत्र)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कस्बा चूरू की वन विहार कॉलोनी में अवस्थित आवासीय अभिप्राय के भूखण्ड स. 293 (जिसकी चतुर्दिक सीमाऐं व माप नीचे अंकितानुसार है) हेतु अनुज्ञा पत्र क्रमांक 222 दिनांक 24.12.1985 एवं इसकी निरन्तरता में शाश्वत लीज दिनांक 29.12.1990 इस कार्यालय द्वारा आवंटी श्रीमती संतोषराज पत्नी श्री ऋषिराज जाति ब्राह्मण निवासी रेलवे कॉलोनी, चूरू (राज0) के पक्ष विधिवत रूप से निष्पादित व संपादित किया गया था, जो कि कार्यालय उप-पंजीयक, चूरू से दिनांक 31.12.1990 को आवंटी के पक्ष में पंजीबद्ध है। वर्तमान में प्रार्थी श्री मोहम्मद इब्राहिम खां पुत्र श्री दीन मोहम्मद जाति कायमखानी निवासी वार्ड नं. 10, वन विहार कॉलोनी, चूरू द्वारा आवंटी श्रीमती संतोषराज पत्नी श्री ऋषिराज जाति ब्राह्मण के मुख्त्यारआम की हैसियत से उक्त पट्टायुक्त भूखण्ड को विक्रय किये जाने बाबत् अनापति प्रमाण-पत्र जारी करवाये जाने हेतु इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है। चूंकि आवंटी की ओर से प्रार्थी के पक्ष में निष्पादित व संपादित उक्त मुख्त्यारनामा दिनांक 31.12.1990 अपंजीकृत है। अतः अपंजीकृत मुख्त्यारनामा के आधार पर प्रार्थी के पक्ष में वर्णित पट्टायुक्त भूखण्ड को विक्रय किये जाने हेतु जारी किये जाने योग्य अनापति प्रमाण-पत्र के बाबत् किसी व्यक्ति/संस्था/हितधारक को किसी भी प्रकार की कोई आपति हो तो उक्त सार्वजनिक विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर उपर्युक्त साक्ष्य सहित अपनी लिखित आपति निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पर प्राप्त आपतियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार प्रकरण का निस्तारण संबंधित प्रार्थी के पक्ष में कर दिया जावेगाः-

भूखण्ड सं. 293, वन विहार कॉलोनी की चतुर्दिक सीमाऐं व माप

उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	क्षेत्रफल
भूखण्ड संख्या 271 व 272	रास्ता आम 40 फीट चौड़ा	भूखण्ड संख्या 294	भूखण्ड संख्या 292	113.85
25 फीट	25 फीट	49 फीट	25 फीट	वर्गमीटर

(अभिलाषा सिंह)
आयुक्त, नगरपरिषद, चूरू

कलेक्टर डॉ खुशाल यादव ने पंचायत समिति नोहर के सभागार में की जनसुनवाई

नोहर,(निसं.) जिला कलेक्टर डॉ खुशाल यादव ने यहां पंचायत समिति सभागार में आयोजित ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

जनसुनवाई के दौरान प्रतिनिधियों व ग्रामीणों की ओर से अतिवृष्टि से हुई फसल खराबे का शीघ्र सर्वे करवाकर किसानों को मुआवजा दिलाने तथा विभिन्न गांव में जोहड़ पायतन की भूमि पर हुए अतिक्रमणों को हटाने की मांग की। इस दौरान ग्राम पंचायत 22 एनटीआर कि ग्रामीणों की ओर से आनंद सैनी के नेतृत्व में जलदाय विभाग की डिग्गी व फिल्टर की सफाई करवाने, गलियों का निर्माण व नहर की सफाई करवाने मांग की गई। जबकि पंचायत समिति सदस्य कॉमरेड मंगेज चौधरी ने ज्ञापन देकर अतिवृष्टि से खराब हुई मूंग मोठ व बाजरे की फसलों की शीघ्र गिरदावरी करवाने की मांग की। इस दौरान जिला कलेक्टर डॉ खुशाल यादव ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की आवश्यक बैठक भी ली तथा उन्होंने अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्र की सर्वे रिपोर्ट जल्द तैयार करवा कर भेजने की बात कही। मीडिया से बातचीत करते हुए कलेक्टर खुशाल यादव ने कहा की फसल खराबे की गिरदावरी शुरू हो चुकी है। जिले में अब तक करीब 20 फीसदी गिरदावरी हो चुकी है। जल्द ही इसकी सर्वे रिपोर्ट तैयार कर ली जाएगी। उन्होंने किसानों व युवाओं से भी राज किसान गिरदावरी ऐप के माध्यम से स्वयं गिरदावरी करने की अपील की। उन्होंने बताया कि इस ऐप के माध्यम से हम अपना ही नहीं अपने आसपास के खेतों का भी सर्वे कर सकते हैं। उन्होंने इसके लिए युवाओं को भी आमंत्रित किया। कलेक्टर ने बताया कि इसके लिए युवाओं को बाकायदा 250 रुपए की राशि भी इस काम के लिए दी जाएगी। इस दौरान पंचायत समिति प्रधान सोहन ढिल, एसडीएम राहुल श्रीवास्तव, तहसीलदार बजरंग लाल, बीडीयो पवन कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य स्तर पर हुआ चयन

नोहर, (निसं.)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लड़की की छात्रा आरजू का रग्बी फुटबॉल प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर चयन हुआ है। शारीरिक शिक्षक विमल न्योल ने बताया कि जिला स्तरीय रग्बी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 4 सितंबर से 7 सितंबर तक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंदरपुरा में किया गया। इस प्रतियोगिता में बालिका के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयन किया गया। राज्य स्तर पर चयन होने के पश्चात बालिका का माल्यार्पण व साफा पहनकर के विद्यालय स्टाफ व ग्रामीणों द्वारा स्वागत व अभिनंदन किया गया। आरजू राज्य स्तरीय रग्बी फुटबॉल प्रतियोगिता जयपुर में हनुमानगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे

रजिस्ट्री सं. डी. एल.-33004/99 REDD.NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.आर.जे.-अ.-04092025-265947
CG-RJ-E-04092025-265947
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II- खण्ड 3 - उप खण्ड (ii)
PART II-Section 3 - Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 3933] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 02, 2025/भाद्र 11, 1947
No.3933] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 02, 2025/BHADRA 11 , 1947

रेल मंत्रालय
[उत्तर पश्चिम रेलवे (निर्माण)]
अधिसूचना
जयपुर, 02 सितम्बर ,2025

का.आ. 4038(अ)-केंद्रीय सरकार, रेल अधिनियम 1989 की धारा 2 के खंड (37क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिनियम के राजपत्र में प्रकाशन कि तारीख से नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (3) में उल्लिखित राज्य में उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में यथा उल्लिखित परियोजना को निम्नलिखित विशेष रेल परियोजनाओं के रूप में अधिसूचित करती है ।

सारणी

क्रम.सं.	परियोजना का नाम	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र
(1)	(2)	(3)
1	चुरु बाई पास लाइन (4.848 किमी)	राजस्थान

[फा.सं. उपरे/मुख्यालय/एस एण्ड सी/443599200 भाग-19]
राजीव श्रीवास्तव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/(निर्माण)

1167-DR/25

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

अपील की सुनवाई के लिए नियत दिन की प्रत्याशी को सूचना
(आदेश 41 का नियम 14)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी स्थान बीकानेर
अपीलार्थी कुलदीप विरूद्ध प्रत्यार्थी महेन्द्र
अभियोग अपील 75 L.R.Act
अपील संख्या 11 सन् 2025
T.D.R. बीकानेर के न्यायालय की तारीख 1-5-2024 को पारित नामान्तरकरण सं. 3345 की अपील।
प्रेषिती-
नाम महेन्द्र प्रत्यार्थी पुत्र तारासिंह जाति जाट निवासी अरड़ावता तहसील झुन्झुनू आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में नामान्तरकरण सं. 3345 T.D.R. बीकानेर की अपील अपीलांट द्वारा उपस्थापित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा ता. 16-9-2025 नियत की गई है।

यदि इस अपील ने आपकी और से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिए कार्य करने के लिए विधिक प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नही होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जायेगी।
यह आज ता. 844/08.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।

आज्ञा से
रीडर
उपखण्ड अधिकारी
बीकानेर

उज्जवल भविष्य की कामना की

रतनगढ़(निसं) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेशचंद्र इंदौरिया का जन्मदिन आज शुक्रवार को प्रात: गौशाला प्रांगण में गौ माताओ को गुड़ ,हराचारा डालकर तथा श्री तालबालाजी अन्नक्षेत्र में साधु ,संतों व असहायों को भोजन वितरण कर सादगी से मनाया। सिद्धपीठ श्री तालवाले बालाजी मंदिर प्रांगण में पुजारी परिवार की ओर से पदेन पुजारी पवन इंदौरिया व कालूराम इंदोरिया ने विधिवत पूजा अर्चना कराकर दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। इसी क्रम में जय कृष्णा गैस एजेंसी के प्रांगण में उनकी मित्र मंडली ने केक काटकर उनके दीर्घायु व उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की।इस अवसर पर श्री गौड़ ब्राह्मण सेवा समिति के अध्यक्ष जयप्रकाश ताम्रायत सहित उनके अनेक मित्रों ने उनको शाल ओढ़ाकर,दुपट्टा पहनाकर, पुष्पगुच्छ तथा श्री फल भेंटकर अभिनंदन किया।

राकेश जांगिड़ ने किया पोस्टर विमोचन

तारानगर। तेरापंथ युवक परिषद की स्थापना एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर 17 सितम्बर को तारानगर के ओसवाल पंचायत भवन में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन करते हुए तेरापंथ युवक परिषद को धनयवाद दिया एवं अग्रिम शुभकामनायें दीं। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा कोषाध्यक्ष मनीष बोथरा, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष मोहित बरडिया, मंत्री दिवाकर सुराणा उदयराज चोरड़िया, मुदित कोठारी, युवराज खटेड, पीयूष डागा, हितेन डागा, हिमांशु सुराणा सहित काफी लोग मौजूद रहे।

कलियुग मे भगवत भक्ति का सबसे श्रेष्ठ साधन भगवान का नामोचारण

चिड़ावा। भगवान के नाम का उच्चारण मन के समस्त पापों को समाप्त करने मे सक्षम है। मनुष्य ज़ब मुख से भगवान के नाम का उच्चारण करता है तब परमात्मा उसके हृदय मे आकर बैठ जाते है तथा जो मनुष्य के मन में कलुशितता होती है उसको साफ कर देते है। कलियुग मे भगवत भक्ति का सबसे श्रेष्ठ साधन भगवान का नामोच्चरण है।

उक्त कथन शहर के पुराना पोस्ट ऑफिस के पास चल रहीं भागवत कथा के तीसरे दिन वाणी भूषण पंडित प्रभुशरण तिवाड़ी ने अजामिल प्रसंग मे कहे। तिवाड़ी ने समस्त स्त्रोताओ से अधिकाधिक भगवान के नाम के उच्चारण की आदत डालने का आ ान किया। कथा मे स्वर्ग नर्क का वर्णन प्रहलाद कथा समुद्र मंथन तथा भगवान वामन प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया गया। कथा के दौरान रंगकर्मी सुरेश शेखावत के द्वारा सजाई गई मनोहारी भगवान वामन की सजीव झांकी तथा राजू भगत व लाल राणा के द्वारा सुन्दर भजनों की प्रस्तुति से वातावरण भक्तिमय बन गया। इससे पूर्व यजमान रामवतार शर्मा ने सपत्नीक आचार्य नरेश जोशी, आमोद शर्मा, विक्रम शर्मा के वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य भागवत व व्यास पूजन किया। इस दौरान महेन्द्र शर्मा, अशोक शर्मा, प्रमोद शर्मा, अनिल शर्मा , सुशील कुमार, विनोद कुमार लाम्बीवाला, सेवानिवृत कोषाधिकारी ओमप्रकाश टेलर सिद्धार्थ शर्मा, श्याम सुंदर साखुवाला, संजय शर्मा श्योपुरा, विश्वनाथ ढाढीटिया, पंडित राजेश दाधीच, कमल मोदी, जगदीश डाबलेवाला, निरंजन कलगांव वाला सहित बडी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुष मौजूद रहे मौजूद रहे।

नुक्कड़ सभा आयोजित कर सीवरेज परियोजना के बारे में दी जानकारी

रतनगढ़(निसं)आरयूआईडीपी के अधिक्षण अभियन्ता, राकेश शरण गर्ग निर्देशन में वार्ड नं. 38 मोहल्ला तेलियान में जुम्मे की नमाज़ के बाद नूक्कड सभा आयोजित कर घरेलू सीवरेज कनेक्शन के लाभ एवं उपयोग के बारे में विस्तार पुर्वक जानकारी देते हुए जन सहभागिता इकाई के प्रवीण सिंह राठौड ने बताया कि ये आरयूआईडीपी द्वारा घरो में, घरेलू सीवरेज कनेक्शन नि शुल्क किया जा रहा है इस कार्य के दौरान घर के शौचालय, रसोई व स्नानघर को जोडा जायेगा इस परियोजना में वर्षान्त के पानी यानि छत को नहीं जोडा जायेगा रसोई व स्नानघर में जाली लगाने की जिम्मेदारी स्वयं घर वाले की होगी घर का व्यक्ति स्वयं ध्यान देकर गुणवत्ता पुर्वक कार्य कराने की सलाह दी गई आज इस सभा में समुदाय की तरफ परियोजना सम्बंधित आए प्रशनो के उत्तर दिया गया बैठक में बताया गया परियोजना कार्य सम्पूर्ण होने के बाद रतनगढ़ शहर में स्वच्छता के लिए बेहतर बदलाव आयेगा परियोजना कार्य के दौरान किसी प्रकार की समस्या हो तो उसी समय सम्बंधित कर्मचारियों से सम्पर्क कर समस्या का समाधान करायें व चल रहे परियोजना में समुदाय से सहयोग की अपील की गईसभा का संचालन छोटू सैनी ने किया आज की सभा में काफी संख्या में मोहल्ले के लोगों ने भाग लिया दी गई जानकारी के लिए मोहल्ले वासियों ने आभार व्यक्त किया।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 104/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री बनवारी लाल पुत्र जीवन राम निवासी ग्राम गाडोदा नेछवा सीकर, राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास बिन्दास सेवा संस्थान गाडोदा नेछवा सीकर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 03.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 16.11.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

कल होगी वैचारिक संवाद प्रतियोगिता

झुंझुन। झुंझुनूं प्रगति संस्थान (जेपीएस) झुंझुनूं के तत्वावधान में युवा वैचारिक संवाद प्रतियोगिता का आयोजन हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में 14 सितंबर रविवार को प्रात: 10:15 से झुंझुनू एकेडमी विज़्डम सिटी समसपुर रोड झुंझुनूं में किया जाएगा। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों में से प्रथम द्वितीय एवं तृतीय आने वालों को क्रमश: पारितोषिक के रूप में 5100,3100 एवं 2100 रुपए नकद पुरस्कार, प्रतिक चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा तथा भाग लेने वाले सभी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। जानकारी देते हुए संस्था के अध्यक्ष डॉ. दिलीप मोदी एवं सचिव एडवोकेट अशोक शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता का विषय देश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षणअति आवश्यक है" रखा गया है।

हाई रिस्क प्रग्नेंसी में नॉर्मल डिलीवरी करवाने वाला संस्थान बना काया अस्पताल

■ नॉर्मल डिलीवरी करवाकर गायनी फील्ड और हाई रिस्क प्रग्नेंसी को संभालने की अपनी उम्दा काबिलियत को सिद्ध करके दिखाया है

झुंझुनूं। जिला मुख्यालय के इन्दिरा नगर स्थित काया हॉस्पिटल मे सेवाएं दे रही प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. गुलशन बानो ने फिर से एक और उच्च जोखिम वाली महिला की नॉर्मल डिलीवरी करवाकर गायनी फील्ड और हाई रिस्क प्रग्नेंसी को संभालने की अपनी उम्दा काबिलियत को सिद्ध करके दिखाया है।

ममता नाम की एक गर्भवती महिला को जब चार सितंबर को प्रसव के लिए काया हॉस्पिटल लाया गया तो उनकी जांच करने पर पाया गया की उन्हें उच्च रक्तचाप (बीपी 180/110) की वजह से प्रीएंक्लेंपसिया की समस्या है और इसी वजह से उन्हें एचईएलएलपी सिंड्रोम जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। ज्ञात रहे कि एचईएलएलपी सिंड्रोम में रक्त कोशिकाओं का अत्यधिक टूटना, लिवर एंजाइम्स का बढ़ना और प्लेटलेट्स का कमी होना शामिल होता है। इस परिस्थिति में प्रसव के दौरान अथवा प्रसव पश्चात अत्यधिक रक्तस्त्राव के कारण गर्भवती महिला की जान को खतरा काफ़ी अधिक बढ़ जाता है। ममता की इस जोखिम भरी स्थिति के बारे में परिवारजनों को अवगत कराया गया। जिस पर परिवारजनों ने डॉ. गुलशन बानो और उनकी टीम पर पूर्ण रूप से विश्वास जताते हुए प्रसव उन्हीं के द्वारा करवाने का निर्णय लिया गया। ममता के ममत्व और परिवार जनों का विश्वास देख डॉ. गुलशन बानो को हौंसला मिला और परिजनों ने स्पोर्ट किया।

डॉ. गुलशन बानो और उनकी टीम ने ममता की विपरित स्थिति पर काबू किया और उच्च जोखिम की चुनौतियों के बावजूद चार सितंबर को नॉर्मल डिलीवरी करवाई गई। आशंका के अनुरूप पीपीएच यानी प्रसव पश्चात अत्यधिक रक्तस्त्राव हुआ लेकिन तत्काल खून तथा खून के घटक जैसे की प्लेटलेट्स, प्लाज्मा की व्यवस्था कर बल्ड ट्रांसफ्यूजन किया गया। डॉ गुलशन बानो ने बताया कि ममता को कुल 8 यूनिट आरडीपी (प्लेटलेट्स), 4 यूनिट एफएफपी(प्लाज्मा), 1 यूनिट खून तथा 1 यूनिट एसडीपी (प्लेटलेट्स) ट्रांसफ्यूजन किया गया। तब जाकर ममता की जान बची। एचईएलएलपी सिंड्रोम, प्रीएंक्लेंपसिया, इतने कम प्लेटलेट्स और बढ़े हुए बीपी के बावजूद बिना किसी सर्जरी यानी नॉर्मल डिलीवरी सामान्य प्रसव करवाकर पीपीएच का उचित इलाज करने पर ममता और उनके परिवार जनों ने डॉ गुलशन बानो का आभार जताया ।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 105/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री महावीर जति पुत्र श्री गुलाब जाति निवासी ग्राम गाडोदा नेछवा सीकर राजसान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री कृष्ण गोपालक गोशाला समिति श्री बाबा बाल जाति आश्रम तिडोकी छोटी व बडी गाडोदा तह नेछवा सीकर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 03.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.11.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

विवाधको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन(आदेश 5 नियम 1 व 5 सीपीसी)
न्यायालय सहायक कलेक्टर (मु.), सीकर।
छीतर आदि बनाम पोखर आदि दावा बाबत बटवारा, उदघोषणा, स्थायी निषेधाज्ञा व रिकॉर्ड दुरूस्ती
अं. धारा 53, 88,188 आरटीएक्ट वाद सं. 53/2020

1. आची पुत्री गीदा, 2. कमली देवी पत्नि प्रभू, समस्त जाति रैगर निवासीगण ग्राम रायपुरा उपतहसील पलसाना तहसील दांतारामगढ जिला सीकर, 3. हनी पुत्र पतासी व गिरधारीलाल जाति रैगर निवासी गली नं. 2 मौहल्ला रैगर वार्ड नं. 19 मंदिर इन्दिरा बस्ती सुनाम मण्डी तहसील सुनाम मण्डी जिला संगरूर (पंजाब), 4. किस्तुरी पुत्री भागीरथ 5. ग्यारसी पुत्री भागीरथ 6. गणेश पुत्र स्व. माला, 7. महावीर पुत्र स्व. माला, 8. छोटी देवी पत्नि सुखराम पुत्र स्व. माला, 9. मुकेश पुत्र नोलाराम, 10. पूजा पुत्री बोलाराम 11. सिलू पुत्री नोलाराम, 12. कृष्ण पुत्र नोलाराम 13. विद्या पत्नि नोलाराम, 14. टलू देवी पुत्री सुखाराम, 15. मंजू पुत्री नारूराम पुत्र स्व. मालाराम, 16. रोशनी पुत्री नारूराम पुत्र स्व. मालाराम, 17. मीरा देवी पुत्री स्व. प्रकाश पुत्र स्व. मालाराम, 18. रूड़ाराम पुत्र स्व. चन्द्राराम, 19. शांति देवी पत्नि स्व. रुघनाथ, 20. रामनाथ पुत्र स्व. चन्द्राराम 21. रामप्यारी पुत्री स्व. गीदा, 22. लक्ष्मी देवी पुत्री प्रभू, 23. सत्यनारायण बिलोनिया पुत्र स्व. प्रभू, 24. सन्तरा पुत्री स्व. गीदा, 25. सन्तोष देवी पत्नि स्व. भागूराम, 26 सुनीता देवी पुत्री स्व. रतनलाल, 27. सुमन देवी पुत्री स्व. प्रभू, समस्त जाति रैगर निवासीगण रायपुरा उपतहसील पलसाना तहसील दांतारामगढ जिला सीकर, 28. सुमन देवी पत्नि रामस्वरूप जाति कुम्हार (प्रजापति) निवासिनी बेद की ढाणी उपतहसील पलसाना तहसील दांतारामगढ़ जिला सीकर 29. सरदारमल पुत्र मंगली देवी व कान्हाराम, 30. मक्खनलाल पुत्र मंगली देवी व कान्हाराम 31. जयराम पुत्र मंगली देवी व कान्हाराम, 32. मुरारीलाल पुत्र मंगली देवी व कान्हाराम, समस्त जाति रैगर निवासीगण नया बास तहसील शाहपुरा जिला जयपुर, 33. भागली देवी पुत्री स्व. सुरजाराम, 34. कमला देवी पत्नि स्व. फूलाराम पुत्र स्व. सुरजाराम, 35. दुर्गा पुत्री स्व. फूलाराम, 36. सन्तोष पुत्री स्व. फूलाराम, 37. सुनीता उम्र 12 वर्ष पुत्री स्व. फूलाराम, 38. सुमन उम्र 9 वर्ष पुत्री स्व. फूलाराम अवयस्कगण जरिए प्राकृतिक संरक्षिका माता कमला देवी, समस्त जाति रैगर निवासीगण ग्राम रायपुरा उपतहसील दांतारामगढ जिला सीकर,39. उप पंजियक पलसाना तहसील दांतारामगढ जिला सीकर, पलसाना तहसील, 40. हल्का पटवारी पटवार हल्का लढाणा उपतहसील पलसाना तहसील दांतारामगढ जिला सीकर, 41. उपतहसीलदार पलसाना तहसील दांतारामगढ जिला सीकर, 42. तहसीलदार दांतारामगढ जिला सीकर जरिए प्रतिनिधि राजस्थान सरकार।, 43. पंजाब नेशनल बैंक शाखा रानोली तहसील दांतारामगढ जिला सीकर जरिए शाखा प्रबंधक, 44. स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया शाखा रानोली जरिए शाखा प्रबंधक, 45. आईसीआईसीआई बैंक लि. शाखा पलसाना तहसील दांतारामगढ जिला सीकर जरिए शाखा प्रबंधक, वादीगण ने आपके विरूद्ध स्थायी निषेधाज्ञा के लिये वाद पंजीयत किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 15 माह 10 सन 2025 को दिन में 10 बजे दावे का उतर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उतर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उतर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद तारीख 9 माह 9 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। **आज्ञा से:- सहायक कलेक्टर(मु.), सीकर।**

भारत ने पिछले मुकाबले में जैसा प्रदर्शन किया था वह सराहनीय था। उसे देखकर मुझे यकीन है कि भारतीय टीम इस बार भी हमें गौरव प्रदान करेगी। - **कपिल देव**

पूर्व भारतीय कप्तान, भारतीय टीम को शुभकामनाएं देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **नीरज चोपड़ा**

13-21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिष्ठित जापान नेशनल स्टेडियम में भारत की सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक प्रतिभा देखने को मिलेगी। पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के गत विजेता नीरज चोपड़ा एक प्रेरित भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे, जिसमें अन्नू रानी जैसे अनुभवी और नए स्प्रिंट सनसनी अनिमेष कुजूर शामिल होंगे, स्प्रिंट, जंप, थ्रो और दूरी की स्पर्धाओं में उम्मीदों के साथ, यह चैंपियनशिप भारतीय एथलेटिक्स के लिए निर्णायक क्षण और नया मील का पत्थर साबित होगी।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट में एशिया कप का आयोजन साल 1984 से हो रहा है और साल 2025 में 17वां एशिया कप चल रहा है।

कुलदीप यादव को मिलेगा मौका? अभिषेक-गिल ओपनर, पाकिस्तान के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली, 12 सितंबर। एशिया कप 2025 का महामुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर, रविवार को खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है और सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम अपना पहला ग्रुप मैच जीत चुकी है। भारत ने यूएई को पहले ही मैच में 9 विकेट से हरा दिया था। वहीं एशिया कप से ठीक पहले पाकिस्तान ने यूएई में ही ट्राई सीरीज में हिस्सा लिया था और फाइनल में अफगानिस्तान को हराकर चैंपियन भी बनी थी। इस जीत के बाद पाकिस्तान की टीम का हौसला काफी बढ़ा हुआ होगा और वो भारत के खिलाफ पूरी एनर्जी के साथ मैदान पर उतरेगा।

पाकिस्तान की टीम में कुछ अच्छे खिलाड़ी मौजूद हैं जो विश्वस्तरीय हैं और अगर वो चल निकले तो भारत के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। इन खिलाड़ियों में फखर जमान, सईम अयूब, सलमान आगा, शाहीन

अफरीदी शामिल हैं। भारत को इन खिलाड़ियों के खिलाफ बेहतरीन रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा साथ ही साथ टीम इंडिया की जीत का मंत्र एक बेहतरीन प्लेइंग इलेवन भी होगा। कहा जा रहा है कि, पाकिस्तान के खिलाफ भी भारतीय टीम उसी प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती है जो उसने यूएई के खिलाफ उतारी थी। क्योंकि इस टीम में बल्लेबाजी 8वें नंबर तक थी साथ ही गेंदबाजी विकल्प की भी कमी नहीं थी। अगर भारत इस टीम के साथ छेड़छाड़ करता है तो टीम को 7 बल्लेबाजों के साथ उतरना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ भारत को दुबई में ही मैच खेलना है जहां यूएई के खिलाफ खेला था। ऐसे में कंडीशन और पिच को देखते हुए भारत शायद ही कोई बदलाव अपनी प्लेइंग इलेवन में करेगा। अगर अर्शदीप को टीम में लाया जाता है तो किसी एक खिलाड़ी को बाहर होना होगा। कुलदीप को लेकर संजय मांजरेकर ने कहा था कि उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ बाहर किया जा सकता है लेकिन जिस तरह से उन्होंने यूएई के खिलाफ गेंदबाजी की इसकी संभावना कम लगती है।

पाक के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग 11

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव/अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

उमर गुल ने पीसीबी को घेरा, बुमराह को लेकर बीसीसीआई की तारीफ की

नई दिल्ली, 12 सितंबर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल ने भारतीय क्रिकेट टीम के थिंक टैंक की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसी प्रतिभा को संभालने के तरीके की बीसीसीआई की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने इस बारे में भी बात की कि, पाकिस्तान क्रिकेट संस्कृति ऐसी रोटेशन नीति क्यों नहीं अपनाती, जैसा भारत करता है। रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप मुकाबले से पहले गुल से भारत की रोटेशन नीति और बुमराह के करियर की क्षमता को अधिकतम करने के लिए कैसे संभाला गया, इस बारे में पूछा गया। गुल से खासतौर पर कार्यभार प्रबंधन के बारे में पूछा गया और ये भी कि, कैसे कभी-कभी जब खिलाड़ी खासकर गेंदबाज चोटिल हो जाते हैं तो उनकी पेस कुछ किलोमीटर कम रह जाती है लेकिन बुमराह फिर भी पहले जैसी गति बनाए

रखने में कामयाब रहे। इस पर गुल ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट क व्यवस्था ऐसी है कि इससे स्थापित खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है, जिसके कारण उन्हें पूरी तरह से फिट न होने पर भी मैच खेलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उमर गुल ने पीटीवी के एक टॉक शो गेम ऑन है में कहा कि, दुर्भाग्य से हमारी व्यवस्था में हमारी संस्कृति में समस्या ये है कि जब हम खेलते थे, तो कोई भी सीनियर खिलाड़ी हिचकिचाता था। अगर वह 70-80 प्रतिशत भी फिट होता तो वह कहता मैं खेलना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि अगर कोई दूसरा खिलाड़ी आता है और अच्छा प्रदर्शन करता है तो रोटेशन नीति हमारी संस्कृति में नहीं है। उमर गुल ने आगे कहा कि, हम केवल प्रदर्शन देखते हैं। नए खिलाड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया है इसलिए उसे टीम में लाएं और उसे खेलने दें। इसलिए मुझे लगता है कि ये विश्वास विकसित होना चाहिए और रोटेशन नीति होनी चाहिए। आपकी प्राथमिकता सीनियर खिलाड़ी होना चाहिए, जब वह फिट हो जाए तो आपको उसे खिलाना चाहिए। उमर गुल ने भारतीय प्रणाली की तारीफ भी की। भारतीय प्रणाली अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों को मुश्किल चोटों से निपटने के लिए सुव्यवस्थित है। उमर गुल ने कहा कि, खिलाड़ियों की भी जिम्मेदारी होती है प्रबंधन की भी यहां तक कि आपके ट्रेनर और आपके मेडिकल स्टाफ की भी। दोनों पक्षों की जिम्मेदारी होती है।

एशिया कप में भारत-पाक में से किसका पलड़ा भारी? दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 12 सितंबर। एशिया कप 2025 के सबसे बड़े मुकाबले में से एक भारत-पाकिस्तान की टक्कर 14 सितंबर, रविवार को दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में होगी। इस मैच का इंतजार दुनियाभर के लाखों लोगों को है। वहीं इस मुकाबले में किसका पलड़ा भारी है।

भारत और पाकिस्तान हेड टू हेड रिकॉर्ड : भारत और पाकिस्तान के बीच अबतक कुल 13टी20 मैच हुए हैं, जिसमें से 9 मुकाबले भारत जीता और 3 में पाकिस्तान को जीत मिली। पाकिस्तान ने भारत के खिलाप आखिरी टी20 मुकाबला एशिया कप में ही जीता था। साल 2022 में हुए मैच में भारत को उसने 5 विकेट से हराया था। लेकिन उसके बाद हुए दो मुकाबलों में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को मात दी। एशिया कप के वनडे फॉर्मेट की बात करें तो दोनों टीमों के बीच कुल 15 मैच हुए, 5 पाकिस्तान जीता और 8 मुकाबले भारत ने जीते, 2 मैच बेनतीजा हे। आपको बता दें कि, वनडे फॉर्मेट में एशिया कप में भारत के खिलाफ पाकिस्तान को आखिरी जीत साल 2014 में मिली थी। वहीं वर्तमान की बात करें तो भारत की टीम पाकिस्तान पर काफी ज्यादा भारी है। भारत दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम है। दुनिया के टॉप 2 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा एशिया कप में खेल रहे हैं।

पाकिस्तान भारत की चुनौती के लिए तैयार है : माइक हेसन

दुबई, 12 सितम्बर। क्रिकेट में, भारत बनाम पाकिस्तान से बड़ा कोई मुकाबला नहीं है। कोई भी मुकाबला ज्यादा लोगों का ध्यान आकर्षित नहीं करता, कोई भी ज्यादा चर्चा पैदा नहीं करता और कोई भी ज्यादा गहरी भावनाओं को नहीं जगाता। इसलिए ओमान के खिलाफ एशिया कप के अपने पहले मुकाबले की पूर्व संध्या पर, यह स्वाभाविक ही था कि प्रचलित चर्चा उनके आगामी मैच के बारे में नहीं, बल्कि उसके बाद होने वाले मैच के बारे में थी। वास्तव में, यह बात तब स्पष्ट हो गई जब पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने पाकिस्तान के पहले मैच से पूर्व मीडिया को संबोधित किया।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मौजूदा विश्व चैंपियन और नंबर 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम भारत, जीत की प्रबल दावेदार है, लेकिन हेसन ने आगे की चुनौती को स्वीकार किया और कहा कि उनकी टीम इसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "हम जानते हैं कि भारत अपने प्रदर्शन को देखते हुए बेहद आत्मविश्वास से भरा हुआ है, और यह सही भी है।

हम एक टीम के रूप में दिन-ब-दिन बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, और खुद से बहुत आगे नहीं बढ़ना चाहते, लेकिन हम अच्छी तरह जानते हैं... मैं काम की विशालता नहीं, बल्कि आगे आने वाले काम की चुनौती के बारे में कहूंगा, और हम निश्चित रूप से इसके लिए उत्सुक हैं।"

हेसन अपनी टीम के गेंदबाजी क्रम को लेकर काफी उत्साहित थे और उन्होंने खास तौर पर मोहम्मद नवाज की भूमिका पर ज़ोर दिया, जिन्हें उन्होंने इस समय दुनिया का सर्वश्रेष्ठ स्पिन गेंदबाज करार दिया। पिछले साल हुए टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तानी टीम में नजरअंदाज़ किए जाने के बाद, नवाज ने हाल ही में पाकिस्तान की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शानदार वापसी की है। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ हैट्रिक सहित पांच विकेट लिए हैं।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि हमारी टीम की सबसे ख़ास बात यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं। हमारे पास मोहम्मद नवाज हैं, जो इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिन गेंदबाज हैं, और पिछले छह महीनों से जब से उनकी टीम में वापसी हुई है, उनकी रैंकिंग इसी स्तर पर रही है।

और ज़ाहिर है कि अबरार अहमद और सूफ़ियान मुकीम ने भी उतना ही अच्छा प्रदर्शन किया है जितना उन्होंने किया है। सैम अयूब अब दुनिया के शीर्ष दस ऑलराउंडरों में शामिल हैं। तो ज़ाहिर है कि यह उनके गेंदबाजी में बेहतर प्रदर्शन का नतीजा है। और सलमान अली आगा ने शायद ही कभी गेंदबाजी की है, और वह ज़ाहिर तौर पर पाकिस्तान के लिए टेस्ट स्पिनर हैं।"

हालांकि, हेसन अपनी बल्लेबाजी इकाई को लेकर उतने आश्वस्त नहीं थे, और उन्होंने स्वीकार किया कि यह बदलाव के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा, "यह एक विकासशील बल्लेबाजी क्रम है। और कई खिलाड़ी ऐसे हैं।

विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में दो पदकों के साथ भारत का अभियान हुआ समाप्त

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), 12 सितंबर। विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 में शुक्रवार को भारत की गाथा खडके रिकर्व के प्री क्वार्टर फाइनल में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया की लिम सी-ह्योन से हार गई।

इसी के साथ टूर्नामेंट में भारत का अभियान दो पदकों के साथ समाप्त हो गया। भारत ने टूर्नामेंट में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। 15 वर्षीय किशोरी गाथा खडके का रिकर्व के प्री-क्वार्टर फाइनल में विश्व की नंबर वन और तीन बार की ओलंपिक चैंपियन घरेलू पसंदीदा लिम सी-ह्योन से 6-0 से हराया।

विश्व चैंपियनशिप में यह तीसरी बार है जब भारत रिकर्व में पदक नहीं जीत पाया। रिकर्व में तीरंदाजी का आखिरी पदक 2019 में आया था जब तरुणदीप राय, अतनु दास और प्रवीण जाधव की पुरुष टीम डेन बॉश में फाइनल में पहुंची थी। विश्व चैंपियनशिप में छठी बार खेल रही चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी कल महिला व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी के तीसरे दौर में इंडोनेशिया की दियानंदा चोइरुनिसा से 6-4 से हार गईं। वह क्वालीफाइंग दौर में छठे स्थान पर रही थीं।

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा लक्ष्य सेमीफाइनल में

हांगकांग, 12 सितम्बर। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी तथा लक्ष्य सेन ली-निंग हांगकांग ओपन 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। इस भारतीय जोड़ी ने मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप के खिलाफ पहला गेम 21-14 से जीता, लेकिन दूसरे गेम में 20-22 से मामूली अंतर से हार गए। उन्होंने निर्णायक गेम में वापसी करते हुए 21-16 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। अब भारतीय जोड़ी का सामना चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई से होगा। इस बीच पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने हमवतन आयुष शेट्टी को हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

राजधानी

राजस्थान में 9763 नये आवासों को केन्द्र सरकार की मंजूरी मिली

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत मिली है स्वीकृति

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबको पक्का मकान उपलब्ध कराने के विजन को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार ने 9 हजार 763 नये आवासों को केंद्र सरकार से स्वीकृति के लिए मंजूरी प्रदान की है। इससे प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत राजस्थान को आज बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को सम्पन्न हुई राज्य स्तरीय सैंक्शनिंग एवं मॉनिटरिंग कमेटी (एसएलएसएमसी) की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

इन आवासों के लिए प्रत्येक पात्र लाभार्थी को कुल 2.50 लाख रुपए का अनुदान मिलेगा, जिसमें 1.50 लाख रुपए केन्द्र सरकार और एक लाख रुपए राज्य सरकार की ओर से प्रदान किया जायेगा। इस निर्णय से कुल 244.07 करोड़ रुपए की सब्सिडी पात्र परिवारों को उपलब्ध होगी।

मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को राज्य स्तरीय सैंक्शनिंग एवं मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक हुई।

- **इन आवासों के लिए प्रत्येक पात्र लाभार्थी को कुल 2.50 लाख रुपए का अनुदान मिलेगा, जिसमें 1.50 लाख रुपए केन्द्र सरकार और 1 लाख रुपए राज्य सरकार देगी**

इन आवासों की अंतिम स्वीकृति केन्द्र सरकार की 17 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाली सीएसएमसी की बैठक में प्रदान की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में किये जा रहे प्रयास न केवल शहरी गरीबों के जीवन स्तर में सुधार लाएंगे बल्कि उन्हें गरिमामय जीवन जीने का अवसर भी प्रदान करेंगे।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा विभाग अजिताभ शर्मा, प्रमुख शासन सचिव राजस्व विभाग दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास विभाग डॉ. देबाशीष पृष्टि, शासन सचिव वित्त (व्यय) विभाग नवीन जैन, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आर्मी से रिटायर्ड जवान ने दुनाली बंदूक से की आत्महत्या

मृतक एक निजी कंपनी में गार्ड पर कार्यरत था, पुलिस और एफ.एस.एल. टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए

जयपुर। सोडाला थाना इलाके में आर्मी से रिटायर्ड जवान ने लाइसेंसी बंदूक से पेट में गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

जो एक निजी कंपनी में गार्ड पर कार्यरत था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल स्थाल साक्ष्य जुटाए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में किसी तरह का सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पडताल में जुटी है।

थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि थाना इलाके के हटवाड़ा के लक्ष्मीनगर निवासी भुवनेश जाट (40) आत्महत्या की है,जो मूलत: हिंडौन के बड़खेड़ा के रहने वाले था। भुवनेश जाट आर्मी से रिटायर हुए थे और पत्नी और बेटे के साथ लक्ष्मीनगर में किराए के मकान में कुछ दिन पहले ही रहने आए थे। भुवनेश जाट सी-स्कीम स्थित गोल्ड कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था।

थानाधिकारी ने बताया कि भुवनेश जाट की पत्नी शुक्रवार सुबह किसी काम से बाहर गई थी और उसका बेटा कंप्यूटर क्लास में गया था। इस दौरान भुवनेश जाट घर पर अकेले था।

जिन्होंने कमरा अंदर से बंद कर लिया। खुद की लाइसेंसी बंदूक से पेट में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बंद कमरे से अचानक धमाके की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

पड़ोसियों ने कमरे के अंदर जाकर देखने की कोशिश की। लेकिन कमरे के आगे-पीछे के दोनों गेट बंद मिले।

कुछ ही देर में उनकी पत्नी और बेटा भी घर आ गए। अनहोनी की आशंका के चलते तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने धक्का देकर गेट खोला। जहां भुवनेश का शव जमीन पर पड़ा हुआ था और उसके पेट में गोली लगी हुई थी। उसकी लाइसेंसी बंदूक पास ही बेड पर पड़ी थी। पुलिस ने तुरंत एफएसएल टीम को बुलाकर मौके से सबूत जुटाए।

पुलिस की प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया है कि भुवनेश ने बिस्तर पर एक पैर रखकर अपनी लाइसेंसी बंदूक को पेट पर लगाया।

बंदूक का ट्रिगर दबाते ही गोली पेट में लगने से वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस ने सबूत जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया है।

पुलिस के अनुसार किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर गांव-गांव में पहुंचेगी सरकारी सेवाएं

राजस्थान में 17 सितंबर से शुरू होगा "ग्रामीण सेवा शिविर" अभियान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीण जनता को राहत पहुंचाने और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे गांवों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 17 सितंबर से प्रदेशभर में 'ग्रामीण सेवा शिविर' अभियान शुरू करने जा रही है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में चरणबद्ध रूप से शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आमजन के कार्य मौके पर ही निस्तारित किए जाएंगे। यह विशेष अभियान सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा। अभियान के पहले सप्ताह में बुधवार को भी शिविर लगाए जाएंगे। प्रत्येक पंचायत समिति क्षेत्र की दो ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन शिविर होंगे और तब तक जारी रहेंगे जब तक उस क्षेत्र की सभी पंचायतों को शामिल नहीं कर लिया जाता।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अभियान को राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को जनता के और करीब लाने वाला कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीणों को अपने जरूरी कामों के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें सरकारी सेवाएं उनके गांव में ही उपलब्ध होंगी। राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार ने बताया कि शिविरों के आयोजन, निगरानी और समन्वय की जिम्मेदारी जिला कलक्टरों को सौंपी गई है। प्रत्येक शिविर के लिए प्रभारी और सहायक प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी, और संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इन शिविरों में राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय, कृषि, पशुपालन, बिजली, पंचायत राज आदि विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। प्रमुख कार्यों में नामांतरण, सीमांकन, रास्ते खोलने, जाति और मूल निवास प्रमाण पत्र जारी करना, आधार कार्ड से जुड़ी सेवाएं, पशु स्वास्थ्य शिविर, स्कूलों की मरम्मत हेतु स्वीकृति, किसान रजिस्ट्री से जुड़े लंबित मामलों का निस्तारण, बीज मिनी किट वितरण, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, बिजली सुधार कार्य, जनहानि, पशुहानि एवं मकान क्षित के प्रकरणों की जांच और स्वीकृति शामिल हैं। इसके साथ ही 2 अक्टूबर से शुरू होने वाले सहकार सदस्यता अभियान को भी ग्रामीण सेवा शिविरों के साथ जोड़ा जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत सहकारी समितियों में सदस्यता बढ़ाने और सहकारिता के माध्यम से गांवों को आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया जाएगा। सरकार की मंशा है कि जो भी ग्रामीण इन शिविरों में आए, उनका कार्य प्राथमिकता से उसी दिन पूरा किया जाए। यदि किसी कारणवश कोई कार्य उसी दिन संभव न हो, तो उसकी विभागवार सूची बनाकर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

पशुपालन विभाग के 231 अधिकारी पदोन्नत

जयपुर । पशुपालन विभाग के राजस्थान राज्य पशुपालन सेवा संवर्ग के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी, उप निदेशक, संयुक्त निदेशक तथा अतिरिक्त निदेशक तथा निदेशक स्तर के विभिन्न संवर्गों के कुल 231 पदों के लिए शुक्रवार को शासन सचिवालय में पदोन्नित समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अयूब खान ने की। बैठक में शासन उप सचिव संतोष करोल, दिनेश कुमार शर्मा, संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक विभाग एवं पशुपालन विभाग के कार्यकारी निदेशक डॉ आनंद सेजऱा भी उपस्थित थे।

बैठक में विभाग के निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के दोनों पदों तथा अतिरिक्त निदेशक पद पर नौ अधिकारियों को पदोन्नत किया गया। इनके अलावा सामान्य तथा विशिष्ट अनुभाग के 51 अधिकारियों को संयुक्त निदेशक के पद पर पदोन्नित दी गई।

राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के 10 हजार पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 13 और 14 सितम्बर को आयोजित की जाएगी। शुक्रवार देर शाम को जयपुर जंक्शन और सिंधी कैंप बस स्टैण्ड के आस-पास हजारों युवाओं की भीड़ उमड़ पडी, कुछ युवाओं ने रात में यहीं पर शरण ली।

मुख्यमंत्री भजन लाल ने शहरी सेवा शिविर के लिए निर्देश दिये

उन्होंने कहा कि इन शिविरों में नागरिकों से जुड़े प्रकरणों का मौके पर समाधान किया जायेगा

जयपुर, 11 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी शहरी क्षेत्रों में आमजन तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए शहरी सेवा शिविर का आयोजन करने जा रही है। 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत शहरों को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने के साथ ही शिविर में जन समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाएगा।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर शहरी सेवा शिविर के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर शहर-कस्बे में इसका व्यापक असर दिखाई दे, इसके लिए अभियान में सभी अधिकारी गंभीरता एवं सेवाभाव के साथ कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना और उनसे जुड़े प्रकरणों का मौके पर ही समाधान करना है। इसके लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एक विशेष पोर्टल भी तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर के संबंध में विभाग द्वारा समग्र जानकारी की मार्गदर्शिका भी तैयार की जाए।

उल्लेखनीय है कि अभियान के दौरान शहरों में व्यापक स्तर पर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। नालियों, सीवर लाइन, फेरो कवर और मैनहोल की मरम्मत की जाएगी एवं प्रमुख चौराहों, पार्कों, सामुदायिक केन्द्रों और सार्वजनिक स्थलों का सौन्दर्यीकरण होगा।

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं के आवेदन प्राप्त कर स्वीकृति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को शहरी सेवा शिविर के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर चलने वाले इस अभियान में सभी अधिकारी गंभीरता एवं सेवाभाव के साथ कार्य करें।

- शिविर से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि अभियान के दौरान शहरों में व्यापक स्तर पर सफाई व्यवस्था, सुनिश्चित करें तथा नालियों, सीवर लाइन, फेरो कवर व मैन होल की मरम्मत करायें।

'खुले बाजार में पदों की नीलामी हो रही है'

हैदराबाद, 11 सितंबर। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार ग्रुप-एक के पदों को बेचकर तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं को धोखा दे रही है।

राव ने गुरुवार के अपने बयान में कथित घोटाले के लिए एक न्यायिक जांच और पारदर्शी तरीके से दोबारा परीक्षा कराने की मांग की। राव ने रिपोर्टों

- बीआरएस के अध्यक्ष, के.टी. रामाराव ने तेलंगाना सरकार पर नौकरियां बेचने का आरोप लगाया।

और छात्रों के आरोपों को लेकर चिंता व्यक्ति की, जिनमें कहा गया है कि नौकरियों के लिए भारी मात्रा में धन की मांग की गई थी और दावा किया कि सरकार ने "खुले बाजार में पदों की नीलामी की।"

उन्होंने कहा कि लाखों अभ्यर्थी, जिन्होंने अपने सालों की मेहनत और संसाधन लगाये हैं, को अपनी उम्मीदें कुचली नजर आ रही हैं। उच्च न्यायालय के निर्देशों का हवाला देते हुए राव ने मांग की कि ग्रुप-एक प्रारंभिक परीक्षा बिना अनियमितता के दोबारा करायी जाये।

सीआरपीएफ का आरोप, सुरक्षा प्रोटोकॉल को नहीं मान रहे राहुल

कांग्रेस ने सीआरपीएफ की रिपोर्ट को राहुल का आंदोलन रोकने की कोशिश करार दिया

- सीआरपीएफ ने कहा, राहुल विदेश यात्रा की जानकारी भी नहीं देते हैं और भीड़ से मिलते हैं।
- कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा यह राहुल को डराने की कोशिश है असल में सरकार राहुल की वोट चोरी विरोधी मुहिम से डर गई है।

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि गांधी विदेश यात्रा पर जाते हैं लेकिन इसकी सूचना नहीं दी जाती है जो सरासर सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इस संबंध में सीआरपीएफ की तरफ से पत्र लिखकर कहा गया है कि गांधी सुरक्षा प्रोटोकॉल को नहीं मान रहे हैं और बिना सूचना दिये विदेश यात्रा कर रहे हैं। सुरक्षा बल ने इसे सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताते हुए स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि इससे परेशान होकर यह पत्र लिखना पड़ रहा है।

सीआरपीएफ के वीवीआईपी सुरक्षा प्रमुख सुनील जून ने खड़गे को बुधवार को लिखे पत्र में लिखा है कि गांधी अपनी सुरक्षा को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

गांधी की इस साल की विदेश यात्राओं का विस्तारपूर्वक जिक्र करते हुए जून ने कहा है कि पिछले नौ माह में गांधी छह बार विदेश यात्रा कर चुके हैं। पत्र में बताया गया है कि गांधी 30 दिसंबर 2024 से नौ जनवरी 2025 तक इटली की यात्रा पर गये थे। फिर 12 से 17 मार्च तक वियतनाम, 17 से 23 अप्रैल तक दुबई, 11 से 18 जून तक कतर, 25 जून से छह जुलाई तक लंदन और हाल ही में चार दिन के लिए मलेशिया की यात्रा पर गये थे।

सीआरपीएफ द्वारा पत्र को सार्वजनिक करने और इसकी टाइमिंग को लेकर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे गांधी को डराने की कोशिश करार दिया है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने गुरुवार को पत्र का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सीआरपीएफ के पत्र भेजने का समय और उसे तुरंत सार्वजनिक करने की मंशा परेशान करने वाली है। उनका कहना है कि गांधी के सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर लिखे पत्र और उसे सार्वजनिक करने का समय सवाल खड़े करता है।

उन्होंने कहा, ""यह पत्र ऐसे समय में आया है जब गांधी चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा द्वारा की जा रही वोट चोरी के खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं। क्या यह विपक्ष के नेता को डराने की एक छिपी हुई कोशिश है, जिन्होंने पहले ही एक और खुलासे की घोषणा कर दी है। क्या सरकार उनके द्वारा उजागर किये जाने वाले सच से घबरा गयी है।""

गौरतलब है कि गांधी को ज़ैड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है जो गंभीर खतरे की आशंका वाले व्यक्तियों को प्रदान की जाती है।

ट्रम्प के प्रबल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुछ सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई और कई घायल हुए और कई गिरफ्तार किए गए। हिंसा और सरकारी संस्थाओं पर हमले की निंदा करने के बजाय ट्रंप ने डेमोक्रेट्स और चुनाव व्यवस्था पर यह आरोप लगाया कि उन्होंने 2016 में उनका चुनाव "चुरा" लिया, जब जो बाइडन विजेता घोषित किए गए।

विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति में एक अलग तरह का वैमनस्य भर दिया। इससे पहले तक वहां राजनीति में विचारों और मुद्दों पर मतभेद होते थे, लेकिन निजी जीवन में राजनीतिक विरोधी भी आपस में दोस्त बने रहते थे। ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति की इस परंपरा को बदल डाला।

ट्रंप ने अपनी राष्ट्रपति पद की दौड़ 2015 में शुरू की थी, जिसमें उन्होंने प्रवासियों और मैक्सिकन नागरिकों पर ज़हरीले हमले किए और आरोप लगाया कि ये लोग हिंसा, अपराध और अन्य बुराइयां फैला रहे हैं। लेकिन मुख्यधारा की राजनीति ने इस तरह की बयानबाज़ी पर कोई ध्यान नहीं दिया।

धीरे-धीरे पूरी रिपब्लिकन पार्टी ट्रंप के आगे झुक गई और उन्हें नफरत और टकराव भरे भाषणों की पूरी छूट दे दी। इसी बीच, अश्वेतों की पुलिस के हाथों मौत पर देशभर में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। ऐसी घटनाओं की एक लंबी श्रृंखला पूरे अमेरिका में देखने को मिली। बराक ओबामा के राष्ट्रपति बनने के बाद, जो अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति थे, ट्रंप ने अश्वेतों के प्रति नफरत को और हवा दी। उसके बाद से यह लहर और भी तेज़ होती गई।

लेकिन अब आम अमेरिकी नागरिक घटनाओं की इस दिशा को लेकर गहराई से चिंतित हो रहे हैं। लोग अमेरिकी राष्ट्रपति की हरकतों को नकारात्मक रूप से देखने लगे हैं और हाल ही में उनकी लोकप्रियता तेजी से गिर गई है।

चुनाव आयोग पूरे देश में मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा करेगा

चुनाव आयोग ने बताया, यह सारी प्रक्रिया 3-4 माह में पूरी हो जाएगी

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। बिहार के बाद अब चुनाव आयोग देश भर में राज्यों और केन्द्र शासित क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी कर रहा है और यह काम सभी जगह एक साथ कराने का विचार है।

आयोग के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा, अब पूरे देश में एसआईआर एक साथ करने का ही विचार बन रहा है। एसआईआर की पूरी प्रक्रिया तीन से चार महीने के बीच सम्पन्न हो जाती है।" आयोग के अधिकारियों के अनुसार, देश भर में एसआईआर शुरू करने के कार्यक्रम को तय किया जाना है।

आयोग सूचियों की समीक्षा शुरू करने के लिए साल में जनवरी, अप्रैल, जुलाई अथवा अथवा अक्टूबर की कोई तिथि चुनता है। इससे लगता है कि इस साल अक्टूबर-नवंबर में कराये जाने

- चुनाव आयोग ने कहा कि इस प्रक्रिया में बूथ लैवल ऑफिसर की अहम भूमिका है हमारे पास देशभर में 10.5 लाख बीएलओ हैं जिनकी संख्या जल्दी ही 12 लाख की जाएगी।

वाले बिहार के चुनावों के बाद, आयोग पूरे देश में सभी राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों की सूचियों के एसआईआर के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है।

एक अधिकारी ने कहा, राज्यों के सीईओ अपने यहां पिछली एसआईआर के बाद बनी मतदाता सूचियों को अपने वेबसाइट पर डालने की तैयारी में हैं। कुछ ने सूची को डाल भी दिया है। ज्यादातर राज्यों में पिछली एसआईआर 2002 से 2004 के बीच कराई गयी थी। दिल्ली में सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 2008 में हुआ था।

अधिकारियों ने कहा कि पुनरीक्षण के लिए तीन महीने का समय पर्याप्त है और अब डिजिटल प्रौद्योगिकी ने इस काम को और आसान बना दिया है।

उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। आयोग के अनुसार, इस समय एक बीएलओ को सूची की समीक्षा या विशेष पुनरीक्षण के लिए मतदाताओं को छपा हुआ गणना प्रपत्र पहुंचाने और उसे प्राप्त करने के लिए औसन 950 मतदाताओं (करीब ढ ई सौ घरों) से सम्पर्क करना होता है। इस समय देश में 10.5 लाख बीएलओ हैं और आयोग इनकी संख्या 12 लाख करने जा रहा है। इससे यह औसत और कम होगा।

भारतीय नागरिक रूसी सेना में शामिल होने के झांसे में नहीं आयें

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। रूस की सेना में कुछ भारतीय नागरिकों की भर्ती की मीडिया रिपोर्टों के बीच, विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को आगाह किया है कि वे रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी प्रस्ताव के

- विदेश मंत्रालय ने नागरिकों को इसके खतरों से फिर आगाह किया।

झांसे में न आए, क्योंकि इसमें कई जोखिम हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती से संबंधित मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि, हमने हाल ही में रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती की खबरें देखी हैं। सरकार ने पिछले एक साल में कई मौकों पर इस तरह की कार्रवाई में निहित जोखिमों और खतरों को रेखांकित किया है और तदनुसार भारतीय नागरिकों को आगाह किया है।

उन्होंने कहा कि भारत ने मास्को और यहां, दोनों जगहों पर रूसी अधिकारियों के साथ इस मामले को उठाया है और अनुरोध किया है कि इस प्रथा को समाप्त कर हमारे नागरिकों को वापस भेजा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यशाला छोड़कर निकल गए। गृह राज्य मंत्री जवाहर बेढ़म उन्हें मनाने भी पहुंचे, लेकिन वे नहीं माने। बाद में डॉ. अग्रवाल ने कहा कि उन्हें भाजपा नेताओं श्रवण बगड़ी और गजेन्द्र सिंह खींवसर से पूर्व निर्धारित मुलाकात के लिए निकलना था। उन्होंने कहा कि "मंत्री बेढ़म ने रुकने का आग्रह किया, लेकिन तय कार्यक्रम के चलते मुझे जाना पड़ा।'

कार्यशाला में मुख्यमंत्री शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, सांसद दामोदर अग्रवाल, वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र गोठवाल, पूर्व अध्यक्ष अशोक परनामी सहित अन्य वरिष्ठ नेता मंच पर उपस्थित रहे। कार्यशाला के अंत में युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित चेची द्वारा युवा मैराथन के पोस्टर व टी-शर्ट का विमोचन किया गया। मंच संचालन कुलदीप धनकड़ व मुकेश दाधीच ने किया। सेवा पखवाड़ा अभियान के संयोजक संतोष अहलावत ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी।

केदारनाथ, 2500 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक लाख रुपये खर्च हो चुके थे। डेढ़ सौ रुपये में पानी की बोतल, 2,500 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से जबरन कराए गए पूजा-पाठ, और मंदिर स्टाफ द्वारा चलाए जा रहे आवास घोटालों ने पूरी तस्वीर को और भी गंभीर बना दिया।

ऐसी ही कहानियाँ बैद्यनाथ, हरिद्वार और द्वारका जैसे अन्य पवित्र स्थलों से भी सामने आ रही हैं, जहां दलाल, बिकाऊ कतारें और जर्जर बुनियादी ढांचा श्रद्धालुओं की आस्था की अग्निपरीक्षा ले रहे हैं। यह रिपोर्ट बताती है कि कैसे भारत के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों की गरिमा छीनी जा रही है... और क्यों वैश्विक मानकों पर आधारित एक "टैंपल चार्टर" ही इसका स्थायी समाधान हो सकता है।

ब्लूटूथ से नकल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निवासी रावतसर जिला हनुमानगढ़ को गिरफ्तार किया गया है।

सिंह ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर की ओर से कनिष्ठ न्यायिक, सहायक लिपिक ग्रेड-द्वितीय एवं लिपिक ग्रेड-द्वितीय के पदों पर सीधी भर्ती के संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022 12 मार्च 2023 एवं 19 मार्च 2023 को 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित की गई थी, जिसमें आरोपी राम प्रकाश जाट का परीक्षा केन्द्र विजयन डी. सूरी जैन विद्यापीठ सी. सै. स्कूल, नागौर (राजस्थान) था और आरोपी सुनील विश्नोई का परीक्षा केन्द्र श्री नेहरू मेमोरियल चिल्ड्रन सी. सै. स्कूल हनुमानगढ़ (राजस्थान) था। संगठित नकल गिरोह के मुख्य आरोपी पौरव कालेर निवासी छापर जिला चूरू द्वारा सालासर से मोबाइल फोन के माध्यम से राम प्रकाश जाट और सुनील विश्नोई को ब्ल्यूटूथ डिवाइस से नकल करवाई थी। इसके लिए 4 लाख रूपये में सौदा तय हुआ था। आरोपी राम प्रकाश जाट नकल कर पास हो गया था और वर्तमान में पॉक्सो कोर्ट कम संख्या - 01 उदयपुर में पदस्थापित था तथा विगत 7 माह से फरार चल रहा था। सुनील विश्नोई जिला सैशन कोर्ट हनुमानगढ़ में पदस्थापित था तथा गिरफ्तारी के भय से गत 6 माह से स्वैच्छिक रूप से अनुपस्थित था एवं फरार चल रहा था।

'मोदी कार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1500 सीसी डीजल) पर कर घटाकर, 18 प्रतिशत (पहले 29-31प्रतिशत) कर दिया है, जबकि बड़ी कारों (4 मीटर से अधिक, 1500 सीसी से ऊपर की इंजन क्षमता और 170 मिमी से अधिक ग्राउंड क्लीयरेंस) पर कर घटाकर, 40 प्रतिशत (पहले 50 प्रतिशत) किया गया है। इसके साथ ही, केन्द्र सरकार ने मुआवजा उपकर (कैम्पन्सैशन सैस) भी हटा लिया है। पूर्व पत्रकार और मीडिया प्रोफेसर प्रदीप माथुर ने टिप्पणी की, "ऐसी कवायद को आमतौर पर अनैतिक श्रेणी में रखा जाता, लेकिन वर्तमान सरकार इसे अपने विशेषाधिकार के रूप में देखती है।"

तीन हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। उच्चतम न्यायालय कोलीजियम ने उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों को पदोन्नत कर मुख्य न्यायाधीश बनाने की गुरुवार को सिफारिश की। शीर्ष अदालत

- न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय, एम. सुंदर को मणिपुर तथा बजंथरी को पटना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया जायेगा।

की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गयी है। इसी प्रकार मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम. सुंदर को मणिपुर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. बी. बजंथरी को उसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गयी है।

मॉरीशस के प्र.मंत्री ने क्रूज से गंगा आरती देखी

वाराणसी, 11 सितंबर। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने गुरुवार शाम वाराणसी में विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती के दर्शन किये।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री और प्रतिनिधि मंडल आज शाम होटल ताज से रविदास घाट पहुंचा, जहां संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने उनका स्वागत किया। विवेकानंद क्रूज से सभी लोग दशाश्वमेध घाट के लिए रवाना हुए। उन्होंने गंगा आरती का दर्शन-पूजन किया। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। क्रूज के निदेशक विकास मालवीय ने बताया कि आरती के बाद सभी को बनारसी चाट में आलू की टिक्की, गोलगप्पे, पालक चाट, बनारसी लस्सी और कुल्फी खिलायी गयी। बनारसी चाट

- क्रूज पर उनके लिए बनारस के विशेष व्यंजनों की व्यवस्था भी की गई थी।

सभी लोगों को खूब पसंद आया। आरती आयोजक अध्यक्ष (गंगा सेवा निधि) सुशांत मिश्र ने बताया कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम का आगमन काशी में हुआ है। दशाश्वमेध घाट पर नित्य होने वाली गंगा आरती को उन्होंने देखा। गंगा का जलस्तर बढ़ा हुआ है, इसलिए गंगा आरती कई दिनों से छत पर ही की जा रही है। कार्यालय के ऊपर छत पर आरती स्थल को फूलों और लाइटों से भव्य तरीके से सजाया गया था।

मोदी के जन्मदिन से गांधी जयंती तक भाजपा का सेवा पखवाड़ा

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनायेगी।

इस अभियान में सेवा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रनिर्माण को केन्द्र में रखा गया है। इसके अंतर्गत रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच कैम्प, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण के लिए "एक पेड़ मां के नाम" अभियान, प्रदर्शनी, संवाद कार्यक्रम, दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण, "मोदी विकास

- सेवा पखवाड़े में मोदी के जीवन व उपलब्धियों पर प्रदर्शनियां लगाई जायेंगी।

मैराथन", खेल महोत्सव और ड्रॉइंग प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी। भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल ने प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत विभिन्न जिलों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन एवं उपलब्धियों पर प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी तथा समाज के प्रबुद्ध वर्ग के साथ संवाद और सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत समाज के विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित करने के साथ-साथ 771 संवाद कार्यक्रम भी देशभर के सभी प्रांतों में आयोजित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का 17 सितंबर को जन्मदिवस है और उन्होंने भारत की राजनीति में सेवा, स्वच्छता जैसे मौलिक विषयों को सबके सामने स्थापित किया है।

एसआई भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अप्रमाणित मान लिया, जबकि सुप्रीम कोर्ट राफेल केस में तय कर चुका है कि दस्तावेज किसी भी माध्यम से मिला हो, यदि वह सही है तो कोर्ट उसे नजरअंदाज नहीं कर सकता। वहीं, यदि दागियों को ट्रेनिंग दी जाएगी तो इससे आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास कम होगा। दूसरी ओर खंडपीठ के अपीलार्थी अमर सिंह व विक्रम पंवार की ओर से मामले में सुप्रीम कोर्ट में कैविएट पेश की गई है।

मोदी के लेख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर उनके लिए लिखा गया "हद से ज़्यादा स्तुतिपरक लेख" संघ नेतृत्व को रिझाने की "हताशा भरी कोशिश" है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भागवत की बौद्धिक गहराई और परोपकार से भरे नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि 2009 से आरएसएस प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल संगठन की 100 साल की यात्रा का सबसे परिवर्तनकारी दौर माना जाएगा।

गुरुवार (11 सितंबर 2025) को कई अखबारों में प्रकाशित एक प्रशंसात्मक लेख में, मोदी ने कहा कि भागवत 'वसुधैव कुटुंबकम' के जीवंत उदाहरण हैं और उन्होंने अपना पूरा जीवन सामाजिक परिवर्तन और सद्भाव व भाईचारे की भावना को सशक्त करने के लिए समर्पित किया है।

कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, "प्रधानमंत्री ने आरएसएस नेतृत्व की कृपा पाने की व्यग्रता में मोहन भागवत के 75 वें जन्मदिन पर हद से ज़्यादा स्तुतिपरक लेख लिखा है।"

रमेश ने कहा, "प्रधानमंत्री ने यह याद दिलाया है कि 11 सितंबर 1893 को स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में अपना अमर भाषण दिया था। उन्होंने यह भी याद दिलाया है कि 11 सितंबर 2001 को ही अमेरिका में अल कायदा के आतंकवादी हमले हुए थे।"

कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर आगे लिखा, "लेकिन इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि प्रधानमंत्री ने यह उल्लेख नहीं किया कि महात्मा गांधी ने 11 सितंबर 1906 को जोहान्सबर्ग में पहली बार सत्याग्रह का आ ान किया था। उसी दिन दुनिया ने पहली बार इस क्रांतिकारी विचार को सुना था।"

रमेश ने कहा, "बेशक, यह उम्मीद करना बहुत ज़्यादा होगा कि प्रधानमंत्री सत्याग्रह की उत्पत्ति को याद रखें, क्योंकि उनके लिए तो सत्य शब्द ही पराया है।"

उन्होने कहा, "प्रधानमंत्री, जो खुद को "नॉन बायोलॉजिकल" बताते हैं, अपने प्रवचनों को ऐसे प्रस्तुत करते हैं, जैसे वे ईश्वरीय कथन हों।"

राष्ट्रपति व राज्यपाल की विधेयक मंजूरी की समय सीमा पर फैसला सुरक्षित

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के संदर्भ पर 10 दिन संबंधित पक्षों की दलीलें सुनीं

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने की समय-सीमा निर्धारित करने के विवाद से जुड़े राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई पूरी होने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की संविधान पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें 10 दिनों तक सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया।

राष्ट्रपति संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 200/201 के तहत, राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने की समय-सीमा से संबंधित प्रश्न उठाए गए थे।

राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए यह संदर्भ प्रस्तुत किया गया था, जो सर्वोच्च संवैधानिक प्रमुख को किसी भी कानूनी प्रश्न या सार्वजनिक महत्व के तथ्य पर उच्चतम न्यायालय की राय लेने की अनुमति देता है।

राष्ट्रपति ने इस संदर्भ में 14 प्रश्नों पर शीर्ष अदालत की राय मांगी। सवालों में यह भी शामिल है कि क्या देश के संविधान के अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा संवैधानिक विवेकाधिकार का प्रयोग न्यायोचित है। संदर्भ में राय मांगी गई है, "क्या संविधान के अनुच्छेद 200 और अनुच्छेद 201 के अंतर्गत राज्यपाल और राष्ट्रपति के

- राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट को भेजे रैफरेन्स में शीर्ष न्यायालय से 14 प्रश्नों पर राय मांगी थी।

निर्णय, कानून के लागू होने से पहले के चरण में न्यायोचित हैं? क्या न्यायालयों के लिए किसी विधेयक के कानून बनने से पहले, किसी भी रूप में, उसकी विषय-वस्तु पर न्यायिक निर्णय लेना अनुमन्य है?"

राष्ट्रपति की ओर से यह भी राय मांगी गयी है कि क्या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाया गया कानून संविधान के अनुच्छेद 200 के अंतर्गत राज्यपाल की स्वीकृति के बिना भी लागू कानून है।

इसमें यह भी राय देने को कहा गया है, "क्या संविधान, भारत के संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत वाद के माध्यम से छोड़कर, केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच विवादों को सुलझाने के लिए शीर्ष न्यायालय के किसी अन्य अधिकार क्षेत्र को रोकता है?" राष्ट्रपति ने महसूस किया कि मौजूदा परिस्थितियों में जब राज्य सरकारें अक्सर संविधान के अनुच्छेद 32 और 131 का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाती हैं, कानूनी प्रश्नों पर शीर्ष अदालत की राय लेना समय की मांग है।

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति संदर्भ के मामले में 22 जुलाई को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर इन सवालों पर अपना पक्ष रखने को कहा था। शीर्ष अदालत ने 29 जुलाई को कहा था कि वह 29 अगस्त से 10 सितंबर के दौरान सुनवाई संबंधित पक्षों की दलीलें सुनेगी।

गौरतलब है कि न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ (शीर्ष अदालत में) ने आठ अप्रैल, 2025 के अपने एक फैसले में तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि द्वारा 10 विधेयकों को पुन: अधिनियमित किए जाने के बाद राष्ट्रपति के लिए आरक्षित करने के फैसले को अवैध घोषित किया था।

छत्तीसगढ़ में एक करोड़ का इनामी नक्सली ढेर

गरियाबंद, 11 सितंबर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान को गुरुवार को तब बड़ी सफलता मिली, जब सुरक्षा बलों ने एक करोड़ के इनामी नक्सली समेत दस नक्सलियों को मार गिराया।

आज सुबह थाना मैनपुर क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों की सक्रियता की सूचना मिलने के बाद ई 30, विशेष सुरक्षा बल और कोबरा की संयुक्त टीम घटनास्थल की ओर रवाना हुई। सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच लंबी और तीव्र मुठभेड़ हुई। जिले के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ में माओवादी केन्द्रीय कमेटी के कई बड़े नक्सली मारे गए हैं। माना जा रहा है कि इनमें एक प्रमुख नक्सली मनोज भी शामिल हैं, जिस पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। राखेचा ने बताया कि अभियान पूरी तरह से सुरक्षा बलों की रणनीति के तहत संपन्न हुआ।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600